राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 214 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 15 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

मथुरा में देर शाम बड़ा हादसा, शार्ट सर्किट से रोडवेज बस में लगी भीषण आग, जिंदा जला यात्री

आगरा। सोमवार शाम अलीगढ़ से मथुरा आई बुद्ध विहार डिपो की रोडवेज बस में शार्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग बस में फैल गई। घटना के वक्त करीब पचास सवारियां बस में थीं। कुछ यात्री गेट से निकलकर भागे, तो कुछ ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर निकले। बस में बस में सबसे पीछे की सीट में बैठा एक यात्री बाहर नहीं निकल पाया, उसकी बस में ही जलकर मौत हो गई। करीब आधा घंटे बाद दो दमकल लगाकर आग पर काबू पाया गया। शाम करीब साढ़े छह बजे अलीगढ़ के बुद्ध विहार डिपो की बस होली गेट से कलक्ट्रेट मार्ग स्थित पुराना बस अड्डे पर पहुंची थी। बस में करीब सत्तर सवारी थीं। मथुरा पहुंचने पर बस में बैठी सवारियां उतर गईं और अलीगढ़ जाने के लिए करीब सवारियां चढ़ने लगी। बस बंद करके चालक तेजवीर और परिचालक सुरेश कुछ दूर चले गए। इस दौरान करीब पचास सवारियां बस में बैठ गईं। अचानक बोनट के पास हुए शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग बस में फैलने लगी, तो उसमें बैठे यात्री उतरकर भागने लगे। अचानक भगदड़ मचने से बस में कुछ यात्री फंस गए। ऐसे में पीछे की खिड़कियों के शीशे तोड़कर कई यात्री बाहर कूद गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब 15 मिनट में आग पूरी तरह बस में फैल गई। पीछे की सीट पर बैठे एक यात्री निकल नहीं पाए। तब तक बस में पूरी तरह आग फैल चुकी थी। लपटों में घिकर यात्री बस के अंदर ही जिंदा जल गया। आग की चपेट में आकर बस में सवार यात्री कोटा निवासी पंकज भी झुलस गए। कई यात्रियों का सामान जल गया। बस के चारों टायर फट गए। सूचना पर पहुंची दो दमकलों ने किसी तरह आधे घंटे में आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आकर मृत यात्री की पहचान नहीं हो पाई है। फायर स्टेशन आफिसर संजय जायसवाल ने बताया कि बस में बैटरी में शार्ट सर्किट से आग लगी है। आग बुझाने में फायर मैन आकाश भी घायल हो गए।

यूपीएचईएससी की असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भर्ती की अंतिम उत्तर कुंजी भी होगी संशोधित, अभ्यर्थियों ने दर्ज कराई थी अपत्ति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग (यूपीएचईएससी) विज्ञापन संख्या 50 के तहत निकाली गई असिस्टेंट प्रोफ़ेसर की भर्ती की लिखित परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी को अब संशोधित करके जारी करेगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। खामियों को 16 और 17 फरवरी के बीच दूर कर लिया जाएगा। इसके पहले आयोग प्राथमिक उत्तर कुंजी को तीन बार संशोधित कर चुका है। उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने इस विज्ञापन के तहत 47 विषयों में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर की 2003 पदों की भर्ती निकाली। इसकी तीन चरणों में 30 अक्टूबर, 13 व 28 नवंबर को लिखित परीक्षा कराई गई थी। इसकी अंतिम उत्तर कुंजी 12 फरवरी को जारी की गई।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव

दूसरे चरण में 60.44 प्रतिशत मतदान

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के दूसरे चरण में नौ जिलों की 55 सीटों के लिए सोमवार को हुए मतदान में शाम छह बजे तक कुल 63.13 प्रतिशत वोट पड़े। मतदान शाम छह बजे तक चला, कई बूथों पर इसके बाद भी वोट डाले गए। वर्ष 2017 के चुनाव में इन सीटों पर कुल 65.53 प्रतिशत मतदान हुआ था। सर्वाधिक 67.13 प्रतिशत मतदान सहारनपुर जिले में हुआ। छिटपुट शिकायतों को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। दूसरे चरण के मतदान के साथ ही मतदाताओं ने 69 महिलाओं सहित कुल 586 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद कर दिया। यूपी चुनाव के दूसरे चरण में सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, अमरोहा, रामपुर, बदायूं, बरेली और शाहजहांपुर जिलों में मतदान हुआ। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दूसरे चरण का मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुआ। पहले दो घंटे में यानी सुबह नौ बजे तक करीब साढ़े नौ प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद मतदान में तेजी आई और दोपहर एक बजे तक 39 प्रतिशत मत पड़ चुके थे। शाम पांच बजे मतदान 60 प्रतिशत से ऊपर हो गया था। मतदान शाम छह बजे तक चला। कई जिलों के पोलिंग बूथों पर लंबी कतारें होने के कारण मतदान छह बजे के बाद तक चलता रहा। पोस्टल बैलट से 47,615 मतदाताओं ने दिया वोट : दूसरे चरण में 47,615 मतदाताओं ने पोस्टल बैलट से अपने वोट डाले। कुल चार श्रेणियों 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांगजन, अनिवार्य सेवाएं एवं मतदान कर्मियों को कुल 53,319 पोस्टल बैलट दिए गए थे। इनमें से 47,615 मतदाताओं ने ही अपने वोट दिए। इसके अलावा 23,349 सेवा मतदाताओं को भी इलेक्ट्रानिक माध्यम से पोस्टल बैलट भेजा जा चुका है।

1.70 प्रतिशत बदली गईं ईवीएम : दूसरे चरण में 1.70 प्रतिशत ईवीएम में खराबी आई। सुबह माकड्रिल के समय 1.29 प्रतिशत बैलट यूनिट, 0.85 प्रतिशत कंट्रोल यूनिट व 1.30 प्रतिशत वीवीपैट खराबी आने के कारण बदली गईं। इसके बाद मतदान के दौरान भी 0.41 प्रतिशत बैलट व इतनी ही कंट्रोल यूनिट बदली गईं। इसी प्रकार वीवीपैट भी 1.55 प्रतिशत बदली गईं।

नाम समाजवादी, काम तमंचावादी और सोच परिवारवादी : योगी

संवाददाता

कानपुर देहात। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को सपा पर सीधा हमला बोला। कहा इनका नाम समाजवादी, काम तमंचावादी और सोच परिवारवादी है। प्रदेश में पहले सरकारी भर्तियों में चाचा-भतीजे, बुआ-बबुआ व सैफई खानदान के नाम पर वसूली होती थी। अब कानपुर व उप्र में दंगे और बम नहीं, कांवड़ यात्रा में हर-हर और बम-बम गूंज रहा है। डबल इंजन की सरकार की ओर से मुफ्त राशन का डबल डोज गरीब को भूखा नहीं रहने दे रहा। जिले के शहजादपुर मैदान में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा में उत्साह से लबरेज दिखे। बोले, कानपुर, चित्रकूट व झांसी में डिफेंस कारिडोर में जब तोप और लड़ाकू विमान बनेंगे तो यहां के युवा इन पर बैठकर दुश्मन की सीमा पर गरजेंगे। उनका डंका बजेगा। उन्होंने मूसानगर स्थित मां मुक्ता देवी की पावन धरती को प्रणाम व अभिनंदन कर संबोधन शुरू किया। कहा, 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में अराजकता की स्थिति थी, लेकिन अब देश में यहां की कानून-व्यवस्था नजीर है। बहू-बेटियां, किसान, व्यापारी, राहगीर सुरक्षित हैं। पहले की सरकारों में रास्ते में बमबाजी होती थी। आज निवेश में प्रदेश आगे बढ़ रहा, नौजवान रोजगार पा रहे। एक जिला-एक उत्पाद, स्वयं सहायता समूह में बेहतर काम से हर हाथ को काम मिला है। 2017 के बाद पांच लाख को नौकरी बिना भेदभाव के मिली। लघु उद्योगों में प्रदेश में 60 लाख लोगों को काम मिला। पहले महामारी से कम भूख से ज्यादा लोग मरते थे। इस बार मोदी ने बीमारी व भूख दोनों से किसी को नहीं मरने देने की सोच को साकार किया। आपको राशन देने वाली सरकार चाहिए या राशन खाने वाली। बिजली मिल रही कि नहीं, आपके जिले में मेडिकल कालेज बन रहा कि नहीं जैसे सवालों से सीधे संवाद किया। कहा, 2017 तक प्रदेश में 12 मेडिकल कालेज थे। अब हर जिले में बन रहा। पूर्ववर्ती सरकार राहजनी करवाती थी, तमंचा फैक्ट्री लगवाती थी। योगी ने कहा कि हम कोरोना काल में जी रहे हैं। पीएम मोदी ने जो प्रबंधन किया, उसकी दुनिया सराहना कर रही। जान है तो जहान है, जीवन व जीविका बचाने का नारा प्रधानमंत्री ने दिया। यह पहली बार हुआ है कि महामारी चल रही और सभी को वैक्सीन उपलब्ध करा प्रधानमंत्री ने हमें संकट से बचाया।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के 1235 नए संक्रमित, 1501 हुए स्वस्थ, 13945 मामले अभी भी सक्रिय

संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश में कोरोना संक्रमण की लहर लगातार कमजोर पड़ती जा रही है। प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के 1235 नए मामले सामने आए हैं। कोरोना संक्रमित 1501 मरीज इस अवधि में ठीक भी हुए हैं जबकि दो मरीजों को जान गंवानी पड़ी।

सूबे में बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना संक्रमण के सर्वाधिक 201 नए मामले लखनऊ में मिले जबकि गौतम बुद्ध नगर में 93, वाराणसी में 72, अमेठी में 40, मेरठ में 39, कानपुर नगर में 38, हरदोई व लखीमपुर खीरी में 37-37 और शाहजहांपुर में 35 नए मरीज मिले। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान कुल 1,58,669 नमूनों की जांच की गई। राज्य में कोविड की संक्रमण दर अब 0.77 प्रतिशत रह गई है। अब प्रदेश में कोरोना के कुल 13,945 सक्रिय केस हैं। लखनऊ में 201 नए संक्रमितः कोरोनावायरस से संक्रमित व्यक्तियों के आंकड़े में अब कमी आ रही है। सोमवार को राजधानी में 201 नए संक्रमित मिले। वहीं, 287 व्यक्ति कोरोना से स्वस्थ हुए। राजधानी में सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या 2422 पर आ गई है। राजधानी में सोमवार को कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्तियों के संपर्क में आए कांटैक्ट ट्रेसिंग में 37 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसके अलावा वायरल जैसे लक्षणों पर जांच करवाने वाले 32 व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। बाहर से यात्रा कर लखनऊ लौटे 21 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। अस्पतालों में इलाज से पहले कोरोना जांच करवाने वाले पांच व्यक्तियों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। दो स्वास्थ्य कर्मचारियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। शहर के अलग-अलग इलाकों में आए संक्रमित व्यक्तियों में चिनहट में 43 नए संक्रमित मिले हैं। वही अलीगंज में 40, आलमबाग में 18, इंदिरा नगर में 33, सिल्वर जुबली में छह, सरोजनी नगर में 11 और नवल किशोर रोड पर आठ व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

सपा के लिए गुंडा छोटा शब्द, ये आतंकवादियों के रक्षक हैं : जेपी नड्डा

संवाददाता

लखीमपुर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लखीमपुर खीरी की कस्ता विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी सौरभ सिंह सोनू के पक्ष में सभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास सबका विश्वास देने वाली सरकार है तो दूसरी तरफ माफिया, भय और आतंक मचाने वाले लोग हैं। इनके लिए गुंडा छोटा शब्द है, ये तो आतंकियों के रक्षक हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, सपा के लोग केवल चुनाव के दौरान नजर आते हैं। उन्होंने कहा सपा ने ऐसे लोगों को टिकट दिया है जो या तो जेल में हैं या फिर बेल पर हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो भ्रष्टाचार, अपराध, माफिया राज और गुंडाराज को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रयास कर रही है।

सपा राज के गुंडे माफियाओं का उल्लेख करते हुए मुख्तार अंसारी और आजम खान का हवाला दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने कारसेवकों पर गोलियां बरसाईं आज वह मंदिर-मंदिर घूमते फिर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की दिलेर फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी ने स्वप्न में नहीं सोचा था कि कश्मीर में धारा 370 हटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 156 से ज्यादा ऐसे कानून थे जो जम्मू कश्मीर में लागू ही नहीं होते थे। चाहे वह महिला उत्पीड़न का मामला हो, चाहे भ्रष्टाचार का मामला हो बच्चों का कोई कानून नहीं था लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की बदौलत धारा 370 हटा दी गई। तीन तलाक पर तंज कसते हुए कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, सीरिया, ईरान, इराक जैसे मुस्लिम देशों में तीन तलाक नहीं होता था जबकि भारतवर्ष में तीन तलाक विराजमान था।

तीन तलाक को हटाने के लिए मोदी सरकार थी जिसने मुस्लिम महिलाओं को एक नई जिंदगी देने का काम किया। उन्होंने पुलवामा हमले की तीसरी पुण्यतिथि का भी जिक्र करते हुए कहा कि यह पहली बार था जब पाकिस्तान को देश के प्रधानमंत्री ने कड़ी चेतावनी दी थी और फिर क्या हुआ आपने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से देख लिया। नड्डा ने जनधन खातों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में 200000000 बहनों को जनधन खाते में कोरोना काल के अंदर 500 रुपये भेजे गए। 80 करोड़ जनता को राशन दिया गया। नड्डा ने अपने उद्बोंधन में केंद्र सरकार की तमाम योजनाओं का जमकर बखान किया और कहा कि यह सारी योजनाएं केवल जनता के लिए मोदी और योगी की सोच का नतीजा हैं।

अंत में नड्डा ने दो तारीखों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा यह दो ऐसी तारीख हैं जब सुप्रीम कोर्ट को तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार को फटकार लगानी पड़ी। एक 22 मई 2007 गोरखपुर का सीरियल बम ब्लास्ट के आरोपित तारिक कासमी और खालिद मुजाहिदीन को समाजवादी पार्टी ने केस वापस लेने की कोशिश की। जिसका हाईकोर्ट ने करारा जवाब दिया और अंत में उनको उम्र कैद की सजा हुई। आतंकी हमले के आरोपों को वापस लेने समाजवादी पार्टी की सरकार आगे आई। उनको फांसी दी गई और तीन को उम्रकैद की सजा दी गई।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार आज तो केवल गुंडे माफिया ही नहीं आतंकवादियों का भी सफाया करेंगे। नड्डा के साथ मंच पर यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सांसद रेखा वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद जुगुल किशोर के अलावा तमाम वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद रहे। इसके बाद नड्डा का हेलीकाप्टर उड़ान भर गया।

जुबानी जंग तक सिमटा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुनाव का पहला चरण निपट गया। दूसरे चरण के लिए मतदान सोमवार को हो रहा है। तीसरे चरण में करहल सरीखी दिलचस्प सीट के अलावा बुंदेलखंड की भी कुछ सीटों के लिए 20 फरवरी को मतदान होगा। तीसरे चरण में 16 जिलों की 59 सीटों के लिए वोट पडेंगे। करहल से पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव मैदान में हैं, वहीं उनके मुकाबिल हैं भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल। चूंकि इस चरण का चुनाव क्षेत्र एटा से लेकर बुंदेलखंड तक फैला हुआ है, ऐसे में नेताओं को कई सभाएं करने के लिए लंबी दूरी तक छलांग लगानी पड़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभाओं में लगातार कह रहे हैं कि पूर्व सरकारों में गुंडागर्दी होती थी, अराजकता फैलती थी। महीनों कफ्यरू रहता था। जनजीवन अस्त व्यस्त रहता था। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भी कई बार भाजपा पर सीधे आरोप लगाते हैं तो कई बार पलटवार की मुद्रा में भाजपा पर प्रहार करते हैं। अखिलेश यादव सभाओं में कहते हैं कि पहले चरण का चुनाव खत्म होते ही भाजपा के नेताओं की भाषा बदल गई। यहां भाजपा का कोई बड़ा नेता नहीं आया होगा। उनके नेता जहां जा रहे हैं, वहां झूठ बोल रहे हैं। उनका छोटा नेता है तो वह छोटा झूठ बोल रहा है, बड़ा नेता है तो बड़ा झूठ बोल रहा है। सबसे बड़ा नेता है तो वह सबसे बड़ा झूठ बोल रहा है। ये चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है। भाजपा ने किसी की मदद नहीं की। सपा किसानों की याद में किसान स्मारक के साथ परिवार वालों को 25-25 लाख की मदद सपा सरकार बनने पर देगी। फिलहाल, पूरा चुनाव इसी तरह की जुबानी बहस में उलझा है।

हमीरपुर में बेतवा किनारे लगी सब्जी की फसल को बेसहारा जानवरों से बचाने के लिए किसानों द्वारा लगाए गए कंटीले तार। अनुराग मिश्र बुंदेलखंड में नहीं दिखती गहमागहमी : बुंदेलखंड में भी चुनावी गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन कोई गहमागहमी नहीं दिखती। इक्का-दुक्का वाहन ही चुनाव प्रचार करते दिखते हैं। अलबत्ता बड़े नेताओं की सभाओं का दौर-दौरा जारी है। चित्रकूट इंटरसिटी एक्सप्रेस में सवार संत-महात्माओं का एक दल रामधुन गा रहा है, लेकिन अन्य यात्रियों के बीच चर्चा सिर्फ चुनाव की ही चल रही है। मत एक ही है कि अपराध-अपराधियों के आतंक से योगी जी ने ही मुक्ति दिलाई, पहले की सरकारें अपराधियों के सफाए की बात तो करती थीं, लेकिन उनके वायदे जमीन पर नहीं दिखते थे। बुंदेलखंड के किसान बेसहारा मवेशियों से बुरी तरह त्रस्त हैं। जहां एक ओर किसान तिलहनी व दलहनी फसलों को बचाने के लिए कंटीले तारों को खेत किनारे लगाने के लिए मजबूर हैं। बेतवा नदी की तलहटी में सब्जी की फसल बोने वाले किसानों को भी बेसहारा मवेशी व छुट्टा जानवरों से फसल बचाने के लिए कंटीले तारों का सहारा लेने के लिए विवश होना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि वह इन तारों का प्रयोग न करें तो सारी फसल बर्बाद हो जाएगी। हजारों किसान परिवार सब्जी की बारी लगाकर बेतवा तीरे खेती करते हैं।

रूस ने यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों की संख्या 1.30 लाख से अधिक की :अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया है कि रूस ने यूक्रेन से लगती सरहद पर तैनात अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाकर 1.30 लाख से ज्यादा कर दी है। इससे पहले रूस ने सीमा पर एक लाख से अधिक सैनिकों को तैनात किया हुआ था।

अमेरिका ने चेतावनी दी है कि रूस इस हफ्ते यूक्रेन पर हमला कर सकता है। इसके मद्देनजर रविवार को कुछ विमानन कंपनियों ने यूक्रेन की राजधानी के लिए अपनी उड़ानों को रद्द कर दिया है। वहीं नाटो के सदस्यों की ओर से हथियारों की नई खेप भेजी गई है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से करीब एक घंटे तक बातचीत की। उनके सहयोगियों ने बाद में बताया कि ज़ेलेंस्की ने बाइडन से कहा कि यूक्रेन के लोग रूस की मजबूत सेना की ओर से

संभावित हमले के मद्देनजर भरोसेबंद संरक्षण में हैं।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि रूस के हमले को रोकने के लिए कूटनीति और निवारण, दोनों उपाय किए जाएं।

गौरतलब है कि बाइडन प्रशासन ने कहा है कि रूस किसी घटना का बहाना बनाकर यूक्रेन पर आक्रमण कर देगा।

अमेरिका और यूरोप के दो अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों की खुफिया पड़तालों ने चिंता बढ़ाई है। उनके मुताबिक, रूस पूर्वी यूक्रेन में मंगलवार को होने वाले सैन्य अभ्यास को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है और इसके बहाने से देश पर हमला कर सकता है।

रूस की सेना ने यूक्रेन को उत्तर, पूर्वी और दक्षिण की ओर से घेरा हुआ है। वहीं क्रेमलिन का कहना है कि सैनिकों की तैनाती सैन्य अभ्यास के लिए की गई है।

अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा है कि बाइडन प्रशासन के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन की सीमा के पास तैनात रूस के सैनिकों की संख्या अब बढ़कर 1.30 लाख से ज्यादा हो गई है जो पहले एक लाख से ज्यादा थी।

ज़ेलेंस्की ने अमेरिकी चेतावनियों को तवज्जो न देने की कोशिश की है। उन्होंने शनिवार को कहा, ÷ हम सभी खतरों को समझते हैं। हमें पता है कि खतरा है।÷ उन्होंने कहा कि किसी के पास इसे लेकर अतिरिक्त जानकारी है कि रूस 16 फरवरी से हमला कर सकता है तो वे सूचना उन्हें भेजें।

ज़ेलेंस्की सप्ताहांत पर क्रीमिया से लगती सीमा के पास टैंक और हेलीकॉप्टर से अभ्यास के दौरान सैन्य वर्दी पहने हुए थे। क्रीमिया पर रूस ने कब्जा कर लिया है।

इस बीच एक सैन्य मालवाहक विमान रविवार को यूक्रेन पहुंचा जिसमें अमेरिका में बनी विमान रोधी मिसाइलें और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सदस्य लिथुआनिया से लाया गया गोला-बारूद था।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने रविवार को सीएनएन से कहा कि वे रूस को किसी भी प्रकार की अप्रत्याशित घटना को अंजाम देने का मौका नहीं देंगे।

बहरहाल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला करने की मंशा से इनकार किया है। उनकी मांग है कि यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं किया जाए, नाटो उसकी सीमा के पास अपने सैनिकों की तैनाती से बचे और पूर्वी यूरोप से अपने बल हटाए। इन मांगों को पश्चिमी देशों ने खारिज कर दिया है।

बाइडन और पुतिन ने शनिवार को एक घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत की, लेकिन व्हाइट हाउस ने इस तरह का कोई संकेत नहीं दिया कि खतरा कम हुआ है। इस बीच डच विमानन कंपनी केएलएम ने कहा है कि उसने अगले नोटिस तक यूक्रेन के लिए अपनी उड़ानों को रद्द कर दिया है। यूक्रेन की चार्टर एयरलाइन स्काइअप ने रविवार को कहा कि पुर्तगाल के मैडिएरा से कीव जाने वाली उड़ान का मार्ग बदला गया है और उसे मॉल्दोवा की राजधानी भेजा गया है। यूक्रेन की हवाई यातायात सुरक्षा एजेंसी ने एक बयान जारी कर काला सागर के हवाई क्षेत्र को जोखिम भरा क्षेत्र घोषित किया है और 14 से 19 फरवरी तक विमानों को इस क्षेत्र का इस्तेमाल करने से बचने की सलाह दी है।

बता दें कि जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ सोमवार को कीव और मंगलवार को मॉस्को जाएंगे जहां वह यूक्रेन और रूस के राष्ट्रपतियों से मुलाकात करेंगे।

मलेशिया में दर्ज हुए कोविड के 21,072 नए मामले

कुआलालम्पुर। मलेशिया में कोविड-19 के 21,072 नए मरीजों की पुष्टि होने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 30,40,235 पर पहुंच गयी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार दर्ज हुए नए मामलों में से 65 मामले विदेश से आए यात्रियों से जुड़े हैं, जबकि 21,007 मामले स्थानीय संक्रमण के हैं। इस अवधि में 11 नए मरीजों की मौत से मृतकों की कुल संख्या 32,125 हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि 5,724 मरीजों के संक्रमण से मुक्त होने के साथ देश में स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 28,52,437 हो गयी है।

देश में 1,55,673 सक्रिय मामलों में से 187 मरीज गहन चिकित्सा कक्ष में है, जिनमें से 109 मरीजों को सांस लेने में सहायता की आवश्यकता पड़ रही है।

अमेरिका : अल्बुकर्क में छुरा मारकर 11 को किया घायल

वाशिंगटन । अमेरिकी राज्य न्यू मैक्सिको के सबसे बड़े शहर अल्बुकर्क में छुरा मारने की घटनाओं में कम से कम 11 लोग घायल हो गये।

अल्बुकर्क पुलिस ने रविवार को ट्वीट किया, ÷पुलिस अधिकारी छुरा लगने से 11 लोगों के घायल होने के मामले में पुराने शहर से सेंट्रल और व्योमिंग तक सात स्थानों पर घटना की जांच कर रहे हैं। सभी घायलों की स्थिति सामान्य है। घटना से जुड़े एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।÷

अल्बुकर्क जर्नल ने रविवार को पुलिस प्रवक्ता गिल्बर्ट गैलेगोस के हवाले से बताया कि छुरा मारने की इन घटनाओं में घायल हुए कम से कम दो लोगों की हालत गंभीर है।

स्थानीय केआरक्यूई चैनल ने रविवार को श्री गैलेगोस के हवाले से कहा ÷हमले आकस्मिक प्रतीत होते हैं, यहां सेंट्रल पर एक व्यक्ति आया और उसने बताया कि उसे और कुछ अन्य लोगों को छुरा घोंपा गया है।÷

केआरक्यूई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि संदिग्ध बीएमएक्स बाइक पर था और गिरफ्तारी के समय उसके पास एक बड़ा छुरा था। संदिग्ध को बिना किसी परेशानी के गिरफ्तार कर लिया गया।

फरवरी के अंत से फिर से खुलेंगे बांग्लादेश के शैक्षणिक संस्थान

ढाका । बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि इस महीने के अंत तक शैक्षणिक संस्थान फिर से खुल जाएंगे क्योंकि देश भर में कोविड -19 की स्थिति में सुधार हो रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा संस्थान में एक समारोह में वचुंअली बोलते हुए, हसीना ने कहा कि छात्र कक्षा में सीखने और दोस्तों की कंपनी का आनंद लेने से वंचित थे, हालांकि महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा दी गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने महामारी की स्थिति पर लगाम लगाने के लिए सभी स्तरों और चरणों के लोगों को टीकाकरण कवरेज के तहत लाने के उपाय किए हैं। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस महीने के अंत तक स्थिति बदल जाएगी (सुधार) और फिर हम शैक्षणिक संस्थानों को फिर से खोल सकते हैं। 3 फरवरी को, सरकार ने घोषणा करते हुए कहा था कि कोविड -19 के प्रसार को रोकने के प्रयास में 20 तारीख तक स्कूल बंद रहेंगे।

जापान की पेय पदार्थ कंपनी का म्यांमा में संयुक्त उद्यम से हटने का फैसला

बैंकॉक । जापान की पेय पदार्थ क्षेत्र की दिग्गज कंपनी किरिन होल्डिंग्स ने सोमवार को कहा कि उसने म्यांमा में अपने संयुक्त उद्यम से हटने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड ने म्यांमा इकोनोमिक होल्डिंग्स पीएलसी के साथ भागीदारी को ''तत्काल खत्म करने'' का फैसला लिया है क्योंकि उसने पाया कि इस उद्यम को उस तरीके से जल्दी से खत्म करना मुश्किल होगा जैसा कि किरिन चाहती है। किरिन के मालिक सैन माइग्वेल, फैट टायर और लॉयन ब्रांड्स ने एक साल से भी अधिक समय पहले ऐलान किया था कि वह एक फरवरी 2021 को हुए सैन्य तख्तापलट से खुश नहीं है जिससे उसके कॉरपोरेट मानकों और मानवाधिकार नीति का उल्लंघन होता है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह सेना से जुड़ी कंपनी एमईएचएल के साथ कारोबार से हटने की चर्चा कर रही है। म्यांमा की कंपनी ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईरान की सेना ने मिसाइल यूनिट स्थापित की : कमांडर

तेहरान। ईरानी सेना ने एक मिसाइल यूनिट स्थापित की है। इसकी जानकारी तसनीम समाचार एजेंसी ने रविवार को एक वरिष्ठ कमांडर के हवाले से दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बल के कमांडर किओमार्स हेदरी के हवाले से कहा कि सेना के ग्राउंड फोर्स में मिसाइल यूनिट स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि ग्राउंड फोर्स उपकरणों को अपग्रेड करने और तेजी से प्रतिक्रिया संचालन के लिए उपयुक्त नए गियर पेश करने की योजना बना रही है। ईरान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को नए घरेलू सैन्य उपकरणों का अनावरण किया, जिसमें स्थिर मिसाइलों की एक सीरीज, तोपखाने के लिए स्मार्ट गोला बारूद और सटीक हमलों के लिए उपयोग किए जाने वाले मोर्टार शामिल हैं।

तालिबान के कब्जे के बाद से 86 अफगान रेडियो स्टेशन बंद

काबुल। अफगानिस्तान में पिछले साल अगस्त में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से कम से कम 86 रेडियो स्टेशनों ने परिचालन बंद कर दिया है। ये जानकारी मीडिया की रिपोर्ट से सामने आई है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक रिपोर्ट में टोलो न्यूज ने कहा कि देश के मीडिया के पतन का मुख्य कारण वित्तीय और राजनीतिक मुद्दे हैं। वर्दक निवासी मंगल ने कहा, हमारे पास रेडियो से बहुत सारी यादें हैं। एक समय था जब रेडियो सुनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जब हम रेडियो सुन रहे थे, तो हम एक व्यक्ति को नजर रखने के लिए कहते थे क्योंकि हम इसे सभी से छुपा कर सुन रहे थे। वर्दक निवासी अब्दुल सलीम ने कहा, यह बहुत समय पहले की बात है। मैं एक बच्चा था। हमारे गांव में एक रेडियो उपकरण लाया गया था। जब मैं प्रसारण सुन रहा था, तो मैं सोच रहा था कि रेडियो डिवाइस के अंदर लोग हैं। सरकार के

पतन के बाद अफगानिस्तान में हालिया राजनीतिक परिवर्तन ने अफगान मीडिया के रेडियो क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। रेडियो जहान उन दर्जनों में से एक है, जिन्होंने अगस्त 2021 से परिचालन बंद कर दिया है। स्टेशन के प्रमुख मोसावर रसिख ने कहा, गंभीर आर्थिक चुनौतियों के कारण रेडियो जहान ने 6 महीने से अधिक समय तक प्रसारण रोक दिया है।

जमजमा रेडियो स्टेशन के प्रमुख शफीउल्लाह अजीजी ने कहा , देश में लगभग 70 प्रतिशत रेडियो स्टेशन बंद हैं। वर्तमान स्थिति में इसका कारण आर्थिक चुनौतियां और प्रसारण कार्यक्रम हैं। दूसरी ओर सरकार रेडियो स्टेशनों से कर इक्ट्ठे करने पर जोर देती है। आंकड़ों के आधार पर, काबुल के पतन के बाद से 300 से अधिक विभिन्न प्रकार के मीडिया संगठन बंद कर दिए गए हैं। अफगान इंडिपेंडेंट जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख, होजतुल्लाह मुजादीदी ने कहा, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि अगर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय मीडिया को वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करता है, तो इनमें से कई रेडियो स्टेशन अगले छह महीनों के अंदर बंद हो जाएंगे। यह देश में मीडिया के पतन को दर्शाता है। अफगानिस्तान में रेडियो की शुरूआत 1926 में पूर्व राजा अमानुल्लाह खान के काल में हुई थी।

बाइडन-पुतिन वार्ता के बाद भी रूस कर सकता है यूक्रेन पर हमला

कीव । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की घंटेभर की वार्ता के बाद भी यूक्रेन पर हमले के बादल नहीं छंटे हैं। रूस के यूक्रेन पर हमला करने की स्थिति में अमेरिका व नाटो ने गंभीर परिणाम की चेतावनी दी है। युद्ध रोकने के प्रयासों के बीच जर्मनी के चांसलर ओल्फ शुल्ज अमेरिकी दौरे के बाद मंगलवार को रूस जा रहे हैं। जहां वे राष्ट्रपति पुतिन से मिलकर तनाव कम करने का प्रयास करेंगे। इससे पहले सोमवार को वह यूक्रेन जाएंगे। इस बीच अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने अपने दूतावास से कर्मचारियों को यूक्रेन की राजधानी कीव से हटाना शुरू कर दिया है। विद्रोहियों के कब्जे वाले डोनबास इलाके में तैनात अमेरिकी पर्यवेक्षक दल को भी हटाया जा रहा है। रूसी हमले की आशंका को पुष्ट करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ है। अभी भी तनाव को खत्म कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। रूसी हमले की आशंका के बावजूद

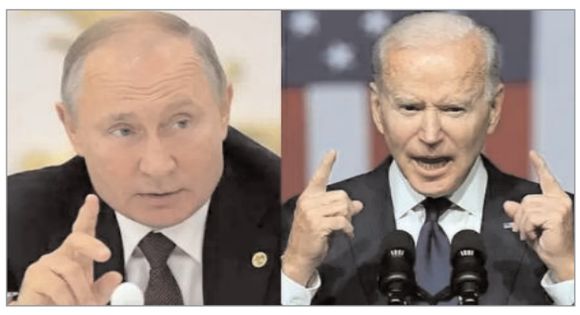

यूक्रेन ने अपनी आकाशीय सीमा बंद या सीमित नहीं की है। लेकिन कई प्रमुख एयरलाइन कंपनियों ने कीव की अपनी उड़ानें बंद और कम करनी शुरू कर दी हैं। दो-तीन दिन में तनाव कम न होने पर ज्यादातर प्राइवेट कंपनियों ने अपनी सेवाएं बंद करने के संकेत दिए हैं। यूक्रेन मसले पर अभी तक तीखे बयानों से परहेज कर रहे जर्मनी ने रविवार को रूस को गंभीर दुष्परिणामों की चेतावनी दे डाली। मालूम हो कि जर्मनी की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए रूस प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। माना जा रहा था कि इसीलिए जर्मन सरकार तीखी जुबान नहीं बोल रही थी, वह मसले के शांतिपूर्वक निदान की बात कह रही थी। लेकिन मास्को यात्रा से पहले चांसलर शुल्ज की जुबान बदल गई। यूक्रेन को अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से हथियार मिलने जारी हैं। रविवार को अमेरिका के दो और मालवाहक विमान 180 टन हथियार और गोला-बारूद लेकर कीव पहुंचे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनीकोव ने बताया है कि अभी तक 17 विमानों से आए 1,500 मीट्रिक टन हथियार और गोला-बारूद प्राप्त हो चुके हैं।

दुनियाभर में 41 करोड़ से अधिक लोग कोरोना की चपेट में आए

वाशिंगटन । भारत समेत दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश कोरोना वायरस संक्रमण से प्रभावित हैं। दुनियाभर में अब तक 41 करोड़ से अधिक लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। यह वायरस अब तक 58 लाख से अधिक लोगों की जान ले चुका चुका है।

दुनिया भर में बीते 28 दिन में कोरोना वायरस महामारी के आठ करोड़ 38 लाख 48 हजार 201 नये मामले सामने आये और इसी दौरान कुल दो लाख 71 हजार 896 मौतें हुई हैं। इसी के साथ कुल मामलों और मौतों की संख्या इस वक्त क्रमशः 41,16,79,785 और 5,815,376 है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, अब तक विश्व भर में कुल 10,197,054,567 लोगों को कोरोना वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में

कोरोना संक्रमण के शीर्ष दस देशों में अमेरिका पहले स्थान पर है, जहां इस महामारी के कुल मामलों की संख्या 7,77,39,880 और अब तक कुल 9,19,696 लोगों की मौत हो चुकी है।

दूसरे स्थान पर फ्रांस है जहां कोरोना के कुल मामलों की संख्या 2,18,51,747 है और यहां अब तक 1,35,802 महामारी से अपनी जान गंवा दी थी। फ्रांस में पिछले 28 दिनों के दौरान 77,59,797 7 नये मामले सामने आये हैं जबकि 7,836 और मरीजों की मौत हो गयी।

वहीं, भारत है, जहां कुल संक्रमितों की संख्या 4,26,65,534 हो गई है। देश में कोविड-19 के सक्रिय मरीजों की संख्या घटकर 4,26,65,534 रह गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान 346 और मरीजों की मौत हुई, जिसके बाद अब तक जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा बढ़कर 5,09,011 हो गया।

इसके बाद ब्राजील का स्थान आता है जहां अब तक 2, 74, 92,904 लोग संक्रमित हो चुके हैं जबकि देश में मृतकों का आंकड़ा 6,38,673 हो गया है।

गत 28 दिनों की अवधि में अमेरिका में 12,245,191 नये मामले सामने आये जबकि सबसे अधिक 9,19,696 लोगों की मौत हुई। ब्रिटेन में अभी तक 18,43,3,001 लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके हैं, जबकि 1,6 0,128 लोगों की इस जानलेवा वायरस से मौत हो चुकी है।

रूस में कोरोना के संक्रमितों की संख्या बढ़कर 13,72,8,138 हो गई है और इस महामारी से अब तक 3,32,727 लोगों की मौत हो गयी है।

तुर्की में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 12,9,08,321 हो गई है। देश में कोरोना संक्रमण से अब तक 90,542 लोग जान गंवा चुके हैं।

जर्मनी में वैश्विक महामारी से अभी तक 1,24,54,302 लोग प्रभावित हुए हैं। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,19,981 तक पहुंच गया है।

अमेरिका-कनाडा सीमा पर बना पुल फिर से खुला

विंडसर (कनाडा) । अमेरिका-कनाडा सीमा पर बना, सबसे व्यस्त पुल तकरीबन एक सप्ताह तक बंद रहने के बाद रविवार देर रात फिर से खुल गया। कोविड-19 संबंधी पाबंदियों के खिलाफ प्रदर्शन के कारण यह पुल बंद कर दिया गया था।

पुल के मालिक 'डेट्रॉइट इंटरनेशनल ब्रिज कंपनी'' ने एक बयान में कहा कि ''एम्बेसडर ब्रिज अब पूरी तरह खुल गया है जिससे कनाडा और अमेरिका की अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक बार फिर से वाणिज्यिक सामान का मुक्त प्रवाह शुरू हो गया है।''

विंडसर, ओंटारिया में पुलिस ने पहले कहा था कि कनाडा के कई ऑटोमोटिव संयंत्रों को अमेरिका के डेट्रॉइट शहर से जोड़ने वाले पुल के समीप दो दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, सात वाहनों को हटाया गया तथा पांच वाहन जब्त किए गए।

पुलिस ने शनिवार को प्रदर्शनकारियों को अपने पिकअप ट्रकों और कारों को हटाने के लिए मना लिया था जिसके बाद केवल कुछ प्रदर्शनकारी ही वहां मौजूद थे। प्रदर्शनकारियों ने पुल को अवरुद्ध करने के लिए वहां ट्रकों और कारों को खड़ा कर दिया था। इस पुल के जरिए दोनों देशों के बीच करीब 25 प्रतिशत व्यापार होता है।

इज़राइली पुलिस ने पूर्वी यरुशलम में हिंसा को रोकने की कोशिश की

यरुशलम। इज़राइल की पुलिस ने पूर्वी यरुशलम के एक इलाके में रविवार देर रात चरम अंधराष्ट्रवादी यहूदी कार्यकर्ताओं और फलस्तीनी निवासियों के बीच हिंसा होने से रोकने की कोशिश की। यह अशांति शेख जर्राह इलाके में उपजी है। इसी इलाके में अशांति को लेकर इजराइल और गाज़ा पट्टी के सत्तारूढ़ हमास के बीच 11 दिन की लड़ाई चली थी।

शेख जर्राह और पूर्वी यरूशलम के अन्य इलाकों में रहने वाले फलस्तीनी परिवारों को क्षेत्र से फलस्तीनी जमीन पर यहूदी बस्ती बनाने वाले संगठनों की ओर से हटाए जाने का खतरा है। इसे लेकर दोनों पक्षों में तनाव रहता है और यह अकसर हिंसा में बदल जाता है।

शेख जर्राह में फलस्तीनी जमीन पर बसाए गए एक परिवार के घर को सप्ताहांत में आग लगा दी गई थी जिसके बाद यह तनाव व्याप्त हुआ। इसके बाद अंधराष्ट्रवादी सांसद इतमार बेन-गवीर ने रविवार तड़के इस जलाए गए घर के निकट एक अस्थायी कार्यालय बना लिया।

फलस्तीनी बेन-गवीर के तंबू के

पास गए, वहां दोपहर में प्लास्टिक की कुर्सियां फेंकी और उनके समर्थकों के साथ हाथापाई की।

रविवार देर शाम को दंगा रोधी पुलिस ने फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें कीं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में दिख रहा है कि इज़राइली पुलिस कर्मी फलस्तीनी युवक को लात मार रहा है। पुलिस ने बताया कि 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

फलस्तीनी रेड क्रीसेंट ने कहा कि 14 फलस्तीनी जख्मी हुए हैं जिनमें से चार को रबड़ की गोलियां लगी हैं। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए स्टंट ग्रेनेड का भी इस्तेमाल किया।

कट्टरपंथी यहूदी रब्बी के अनुयायी बेन-गवीर ने इज़राइल से अरबों को निकालने का आह्वान किया है। उन्होंने पुलिस पर उनके समर्थकों के साथ बर्बरता करने का आरोप लगाया है। बता दें कि 1967 में हुई जंग में इजराइल ने पूर्वी यरुशलम और वेस्ट बैंक व गाज़ा पट्टी के इलाके पर कब्जा कर लिया था। इज़राइल ने बाद में पूर्वी यरुशलम को अपने देश में मिला लिया था। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे मान्यता नहीं दी है।

'इस्लाम' को पाकिस्तान ने चीन के सामने किया सरेंडर, जिनपिंग की नीतियों पर इमरान का बड़ा 'इकरारनामा'

इस्लामाबाद । इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान का पाखंड सामने आ गया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान चीन में मुस्लिमों के साथ हो रही बर्बरता को मीडिया का किया-धरा बता दिया है और उलटे अपने पुराने अंदाज में भारत पर ही ठीकरा फोड़ने की कोशिश की है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान ने एक तरह से चीन की बंधुआ-मजदूरी स्वीकार कर ली है और जिन मुद्दों पर चीन की विस्तारवादी मानसिकता की पोल खुल चुकी है, उसमें भी पाकिस्तान घुटने टेक रहा है। पाकिस्तान की सरकार ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की सरकार के साथ जिन मुद्दों पर समझौता किया है, उससे लगता है कि आने वाले दिनों में वह इसके उपनिवेश बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है। आमतौर पर इस्लाम से जुड़ा कोई मसला होता है तो पाकिस्तान और उसके हुक्मरान, सबसे बड़े रहनुमा बनने की कोशिश करते हैं। लेकिन, अब चीन की वजह से पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर पूरी दुनिया में बेनकाब हो चुका है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने जो बयान दिया है, उससे यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि इस्लाम के मुद्दे पर

पाकिस्तान के नेता सिर्फ अपने देश में राजनीतिक रोटियां सेंकते हैं, वास्तव में उन्हें इस्लामी मसलों से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, पाकिस्तानी पीएम इमरान ने सीएनएन को एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने उइगर मुसलमानों के साथ हो रहे जुल्मों-सितम पर ना सिर्फ चीन को क्लीनचिट दे दिया है, बल्कि यहां तक कह दिया है कि यह सब पश्चिमी मीडिया का फैलाया हुआ झूठ है। इमरान खान का यह इंटरव्यू ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में 243 वैश्विक समूहों ने चीन में मुसलमानों के नरसंहार को लेकर चीन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है। चीन अपने कब्जे वाले शिंजियांग उइगर ऑटोनोमस रीजन (एक्सयूएआर) में मुसलमानों का किस हद तक उत्पीड़न कर रहा है, यह बात पूरी दुनिया जान चुकी है। लेकिन, इमरान खान ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार को इस मसले पर बचाते हुए कहा है, चीन में पाकिस्तान के राजदूत मोइनुल हक ने एक्सयूएआर का दौरा किया था और कहा कि वहां के हालात वैसे नहीं हैं, जैसे कि पश्चिमी मीडिया बताता है। खुद इमरान भी अपने आपको इस्लामिक मसलों का रक्षक साबित करने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन जब वैश्विक स्तर पर मुसलमानों के मुद्दे पर चीन को जिम्मेदार ठहराने की पहल की जा रही है, पाकिस्तान ने ड्रैगन के सामने घुटने टेक दिए हैं। दरअसल, पाकिस्तान आज की तारीख में आर्थिक और राजनयिक तौर पर पूरी तरह से चीन पर निर्भर हो चुका है। यही वजह है कि पाकिस्तानी लीडरशिप को चीन के मुसलमानों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार होने के बावजूद सार्वजनिक तौर पर उसकी नीतियों के सामने सरेंडर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बच गया है। पाकिस्तान ऐसा मुल्क है, जो आतंकवाद के मसले पर भी दुनिया में बेनकाब हो चुका है और एक चीन ही बच गया है, जो उसके मुंह पर चंद हजार डॉलर फेंक कर उसकी मदद कर सकता है। इमरान के कार्यकाल में पाकिस्तान आर्थिक बदहाली के शिखर पर पहुंच चुका है और उसके लिए मदद के ज्यादातर रास्ते अपने कारनामों की वजह से पहले ही बंद हो चुके हैं। पाकिस्तान सिर्फ उइगर मुसलमानों के नरसंहार पर नहीं आंख मूंद रहा है, वह तमाम अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर ड्रैगन की जी हुजूरी में जुटा हुआ है। चाहे कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना का दक्षिण चीन सागर में दखलअंदाजी की बात हो या फिर बीजिंग ओलंपिक 2022 के उद्घाटन समारोह में उसकी वन-चाइना पॉलिसी का तिकड़म, पाकिस्तान और वहां के पीएम इमरान की नीति उसके सबसे बड़े भरोसेमंद सभी-मौसम वाले सहयोगी साबित करने की रही है।

यमुना मिशन के तत्वावधान में आज दिल्ली में अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जीव कांत झा ने कहा कि यमुना की सफाई को लेकर हम लोग प्रतिबद्ध है। जल्द ही यमुनोत्री से प्रयागराज तक यमुना की सफाई को लेकर रोड मैप तैयार किया जाएगा। फिलहाल वृंदावन में यमुना मिशन ने अनुकरणीय कार्य किया है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब में गुरु हरिराय साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के द्वारा सिक्खों के सातवें गुरु श्री गुरु हरिराय जी का प्रकाश पर्व आज गुरुद्वारा बंगला साहिब में श्रृद्धापूर्वक मनाया गया। इस मौके पर भाई प्रेम सिंह जी बंधू, भाई हरजीत सिंह गुरदीप सिंह जी व भाई निर्मल सिंह जी हजूरी कीर्तनीए ने गुरबाणी कीर्तन से संगत को निहाल किया व भाई रणजीत सिंह हैड ग्रंथी गुरुद्वारा बंगला साहिब ने कथा द्वारा गुरु महाराज के जीवन और सिक्ख इतिहास के संबंध में जानकारी

प्रदान की। इस दौरान दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव स. जगदीप सिंह काहलों, धर्म प्रचार कमेटी के संयोजक स. जसप्रीत सिंह कर्मसर व स. जतिन्दरपाल सिंह गोल्डी सह-संयोजक, को-चेयरमैन इंद्रजीत सिंह मोंटी तथा बड़ी संख्या में संगत भी मौजूद रही। स. काहलों ने संगत बताया कि श्री गुरु हरिराय साहिब जी का प्रकाश मीरी-पीरी के मालिक श्री गुरु हरिगोबिन्द साहिब जी के बड़े पुत्र बाबा गुरदित्ता जी के कीरतपुर स्थित निवास पर हुआ। उनकी माता जी का नाम निहाल कौर था। बचपन से ही गुरु जी का स्वभाव कोमल था। उन्होंने हमेशा मानवता और पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण और फूल-पौधे लगाने का संदेश दिया। गुरु महाराज द्वारा उस समय दी गई पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा पर वर्तमान में सख्त पहरा देने की विशेष आवश्यकता है क्योंकि विश्वभर में मानवता को बीते 2 वर्षों से महामारी ने जकड़ा हुआ है इसलिए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्यावरण को साफ-सुथरा और स्वच्छ रखना अति-आवश्यक है।

कांग्रेस नेता डॉ नरेश कुमार ने दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना से सौजन्य मुलाकात की

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता और कांग्रेस नेता डॉ नरेश कुमार ने आज यहां दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें राजधानी में कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि राजधानी में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी हो रही है और अभी एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक लड़का एक लड़की की बेरहमी से पिटाई करता नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह की एक घटना पिछले महीने यमुनापार के कस्तूरबा नगर में हुई थी। ये घटनाएं बताती हैं कि पुलिस के लचर रवैए की वजह से अपराधियों के हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली पुलिस को राजधानी दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सी सी टी वी कैमरों की संख्या बढ़ाने की दिशा में पहल करनी जरूरी है।

डॉ कुमार ने कहा कि राजधानी में बढ़ते संगठित अपराधों की रोकथाम के लिए क्राइम ब्रांच को आधुनिक तकनीकों को अपनाना होगा, तभी वह अपराधियों पर लगाम लगा सकेगी।

उन्होंने राजधानी में पुलिस कर्मियों की कम संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी संख्या बढ़ाने पर केंद्र सरकार को विचार करना जरूरी है क्योंकि ऐसा करने से आम आदमी अपने आपको सुरक्षित महसूस कर पाएगा।

डूटा ने तदर्थ प्रोफेसरों के समायोजन के लिए राष्ट्रपति कोविंद को याचिका सौंपी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक याचिका सौंप कर उनसे विश्वविद्यालय में काम कर रहे 4,500 तदर्थ और अस्थायी शिक्षकों के समायोजन के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

डूटा के अध्यक्ष ए.के. भागी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 10,000 से अधिक शिक्षकों ने याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। डूटा ने दो फरवरी को राष्ट्रपति को संबोधित ऑनलाइन याचिका शुरू की थी। राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के 'विजिटर' भी हैं। डूटा ने शिक्षकों से बड़े पैमाने पर याचिका पर हस्ताक्षर करने की अपील की थी।

डूटा ने याचिका के जरिए कहा कि उसकी मांग है कि केंद्र इस विषय का संज्ञान ले और इस समस्या का समाधान करे। शिक्षक संगठन ने मांग की कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और शिक्षा मंत्रालय को एक बार विशेष अध्यादेश या विधेयक लाकर इन शिक्षकों को समायोजित करने के लिए तौर-तरीका तैयार करना चाहिए।

भागी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डूटा ने राष्ट्रपति को सभी हस्ताक्षरों के साथ इस याचिका की एक प्रति सौंपी। डूटा ने प्रधानमंत्री कार्यालय, शिक्षा मंत्री, यूजीसी के अध्यक्ष और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को भी एक प्रति सौंपी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन की ओर से इच्छाशक्ति की कमी तथा कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण कुशल और प्रतिभाशाली शिक्षक वर्षों से तदर्थ या अस्थायी आधार पर काम करने के लिए मजबूर हैं।

दिल्ली सरकार ने मुफ्त बस यात्रा पर 484 करोड़ रु खर्च किये; 48 करोड़ महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अपनी मुफ्त बस यात्रा योजना पर 484 करोड़ रुपये खर्च किये और वहीं, इस सेवा का 48 करोड़ से अधिक महिलाओं ने लाभ उठाया है। आधिकारिक आंकड़ों में इस बारे में जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 24.43 लाख से अधिक महिलाओं ने पिछले साल शहर की बसों में मुफ्त यात्रा की। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीएस) में कुल 6,900 बसों का बेड़ा है। दिल्ली परिवहन विभाग ने एक ट्वीट में कहा, ''दिल्ली सरकार ने राज्य द्वारा परिचालित 6,900 बसों में मुफ्त यात्रा करा कर महिलाओं को सशक्त किया है। अब तक 48 करोड़ महिलाओं ने इसका लाभ उठाया और 2021 में 24 करोड़ महिलाओं ने इनमें मुफ्त यात्रा की। इसके अलावा, हर बस में मार्शल की मौजूदगी ने यात्रा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की।''

केजरीवाल सरकार को 7 साल लग गए वायु प्रदूषण के मुख्य कारण जानने के लिए : चौ0 अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पिछले 7 वर्षों में पूरी तरह विफल रही है और दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए एग्रीगेटर नीति जनता की आंखों में धूल झोंकने हेतू लोगों की टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक किया जिसके माध्यम से केजरीवाल सत्ता में आने के 11 साल बाद 2024 में 30 प्रतिशत तक प्रदूषण नियंत्रण पर रोक लगाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि केजरीवाल केवल आरोप प्रत्यारोप की राजनीति के तहत पंजाब के किसानों द्वारा पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण का मुख्य कारण बताते रहे है जबकि कांग्रेस पार्टी हमेशा से वाहनों द्वारा होने वाला धुंआ प्रदूषण का मुख्य स्रोत होने की बात केजरीवाल सरकार बताती रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली में वाहनों के कारण होने वाले भारी प्रदूषण अब स्वीकार करते हुए प्रदूषण रोकथाम मापदंडों के नए मानक स्थापित करके प्रदूषण के खिलाफ दूरगामी नीतियों को लागू करके नागरिकों को शामिल करने की बात कर रहे है। प्रदूषण नियंत्रण में दिल्ली सरकार द्वारा करोड़ो रुपये खर्च करके ऑड-इवन, रेड लाईट ऑन, गाड़ी ऑफ, स्मॉग टावर जैसी योजनाऐं पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल एग्रीगेटर नीति को लागू करने से पहले डीटीसी बेड़े सहित अपने सभी विभागों में ई-वाहन लागू करें। पिछले 7 वर्षों में डीटीसी सिर्फ एक इलेक्ट्रिक बस का उद्घाटन करके प्रचार करके 1500 बसे लाने की घोषणा कर दी।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली में प्रदूषण की वास्तविकता से दूर एग्रीगेटर नीति के तहत ओला, उबर जैसे राइड एग्रीगेटर्स को 2023 तक 50 प्रतिशत और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े जोमेटो, स्विगी सहित अन्य संस्थाओं को 25 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए प्रेरित करने मात्र से काम नही चलेगा।

पंजाब में जाकर भ्रम फैला रहे हैं अरविंद केजरीवाल : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने पंजाब के लोगों से अपील की है अरविंद केजरीवाल पंजाब में जाकर जिस तरह से भ्रम फैला रहे हैं और चुनावी वायदें कर रहे हैं उससे सावधान रहें। आज सात सालों से दिल्ली की सत्ता पर काबिज केजरीवाल ने दिल्ली की महिलाओं युवाओं एवं अन्य वर्गों के लिए क्या किया है, इसके बारे में दिल्लीवासी तो जानते ही हैं लेकिन पंजाब की जनता को जानना बेहद जरुरी है।

आज एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल पंजाब में माताओं-बहनों को 1000 रुपये पेंशन देने का चुनावी वायदा कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली की महिलाओं को 1000 रुपये तो देने की बात दूर उल्टा महिलाओं, विधवाओं एवं बुजुर्गों को मिलने वाला पेंशन भी बंद कर दिया। पिछले सात सालों से दिल्ली की महिलाएं परेशान हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। डीटीसी बसों में महिला मार्शल का वायदा भी केजरीवाल ने किया था लेकिन आज सब कुछ नदारद है। 6600 बसों में आज सिर्फ 3700 बसें ही बची हैं बाकि का कुछ पता नहीं। प्रेसवार्ता में प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल एवं भाजपा नेता शिवम छाबड़ा उपस्थित थे।

आदेश गुप्ता ने कहा कि चुनावी राज्यों में जाकर केजरीवाल कह रहे हैं कि वे बेरोजगारों को 5000 रुपये का बेरोजगारी भत्ता देंगे लेकिन पिछले सात सालों में दिल्ली के कितने बेरोजगारों को रोजगारी भत्ता दिया, यह नहीं बता पा रहे हैं। रोजगार देने के नाम पर भी सरेआम झूठ बोलने वाले केजरीवाल ने पंजाब में कहा था कि वे दिल्ली में 10 लाख रोजगार दे चुके हैं जबकि आरटीआई से इस बात का खुलासा हुआ कि पिछले सात सालों में सिर्फ 3700 रोजगार आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिया है।

श्री गुप्ता ने कहा कि अनुबंधित कर्मचारियों को नियमित करने का झूठा बयान देने वाले केजरीवाल की सच्चाई यह है कि 700 जो नियमित हुए हैं दरअसल वे अनुकंपा वाले हैं। पिछले सात सालों में सात बार यमुना की सफाई की बात करने वाले केजरीवाल को केंद्र सरकार ने 2481 करोड़ रुपये दिए जिससे यमुना की सफाई के साथ 18 एसटीपी प्लांट लगाने थे लेकिन अभी तक एक भी एसटीपी प्लांट नहीं लगा। 500 नए विद्यालय का वायदा कर सात सालों में 16 चल रहे विद्यालयों को बंद करवा दिया गया। 20 कॉलेज खोलने की बात करने वाले केजरीवाल ने एक भी कॉलेज पिछले सात सालों में नहीं खोला और अभी पुराने 12 कॉलेज के कर्मचारियों को तनख्वाह तक नहीं दे पा रहे हैं।

बच्चों के कैंसर के बारे में व्यापक जागरूकता समय की आवश्यकता है: डॉ. गौरी कपूर

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। इंटरनेशनल चाइल्डहुड कैंसर डे (15 फरवरी) के मौके पर रोहिणी, दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) की निदेशक, बाल चिकित्सा हेमाटोलॉजी एवं ऑन्कोलॉजी और आरजीसीआईआरसी नीति बाग की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गौरी कपूर ने इनसे संबंधित कुछ भ्रम पर स्थिति स्पष्ट की है। साथ ही उन्होंने इसके लक्षणों पर नजर रखने और समय-समय पर जांच की वकालत भी की। उन्होंने बताया कि बच्चों के कैंसर के ज्यादातर मामले इलाज से ठीक हो सकते हैं, यदि समय पर इलाज मिल जाए। इसलिए इस बारे में व्यापक

जागरूकता समय की आवश्यकता है।

बच्चों में होने वाले कैंसर से जुड़े भ्रम और तथ्य के बारे में डॉ. गौरी कपूर ने बताया, बच्चों और बड़ों में होने वाले कैंसर अलग-अलग होते हैं। कैंसर के प्रकार और उपचार के लिए दी गयी प्रतिक्रिया और ईलाज दर के स्तर पर इनमें अंतर होता है। बच्चों में ल्यूकेमिया, ब्रेन एवं स्पाइनल कॉर्ड ट्यूमर, न्यूरोब्लास्टोमा, विल्म्स ट्यूमर, लिंफोमा और रेटिनोब्लास्टोमा के मामले पाए जाते हैं। बच्चों में कैंसर बहुत तेजी से फैलता है, लेकिन यदि सही समय पर पता चल जाए और सही इलाज मिले तो कीमोथेरेपी से नतीजे अच्छे मिलते हैं और इलाज दर भी अच्छी होती है।

डॉ. गौरी कपूर ने कहा कि यह भ्रम है कि बच्चों में होने वाला ब्लड कैंसर लाइलाज है। बच्चों में ज्यादातर एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) ब्लड कैंसर होता है और इलाज की आधुनिक पद्धतियों के माध्यम से एएलएल के 80 प्रतिशत मामले इलाज के योग्य होते हैं। दूसरा भ्रम है कि बच्चों में होने वाले कैंसर आनुवंशिक होते हैं। जबकि सच है कि कैंसर डीएनए में बदलाव के कारण होते है, लेकिन बच्चों में होने वाले 90 प्रतिशत से ज्यादा कैंसर के मामले आनुवंशिक नहीं होते हैं और इसलिए ये कैंसर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में नहीं पहुंचते हैं।

डॉ. गौरी कपूर ने कहा कि लंबे समय तक बिना कारण बुखार होना, अकारण ही पीलापन और कमजोरी होना, आसानी से कहीं भी खरोंच लगना और खून आना, शरीर पर कहीं गांठ, सूजन या दर्द होना, सिरदर्द के साथ अक्सर उल्टी होना और दृष्टि में अचानक बदलाव जैसे लक्षणों पर नजर रखना जरूरी है। उन्होंने इलाज के दौरान बच्चों व अभिभावकों के लिए काउंसलर की जरूरत पर भी बल दिया। साथ ही सही लाइफस्टाइल एवं खानपान अपनाने की जरूरत जताई।

दक्षिणी निगम सभी अनुबंध कर्मचारियों को करेगा पक्का : महापौर

नई दिल्ली। महापौर मुकेश सुर्यान और नेता सदन इन्द्रजीत सहरावत ने सिविक सेन्टर में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी द्वारा डीबीसी कर्मचारियों को पक्का करने हेतु लगाये गये झूठे आरोपों को खारिज किया। महापौर मुकेश सुर्यान ने कहा कि दक्षिणी निगम अपने सभी अनुबंध कर्मचारियों को पक्का करने के लिये तैयार है, यदि दिल्ली सरकार बजट का प्रावधान कर दे और पद सृजन व स्थायी करने की स्वीकृति प्रदान कर दे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार जनता को गुमराह करने के लिये झूठे आरोप लगा रही है कि हम अपने कर्मचारियों को पक्का नही कर

रहे है, लेकिन सच्चाई तो यह है कि पिछले 5 सालों में दक्षिणी निगम ने 1446 अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी किया है। दिल्ली सरकार सिर्फ चुनावी घोषणा कर रही है, लेकिन हम जमीनी स्तर पर कार्य करते है और अपने कर्मचारियों को वित्तीय चुनौतियों के बाद भी पक्का करने का कार्य करते है।

कार्यकर्ता केजरीवाल सरकार के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंके : सिद्धार्थन

नई दिल्ली। मार्च महा में होने वाले दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर भारतीय पार्टी नवीन शाहदरा जिले के सभी कार्यकर्ताओं की सभा जिलाध्यक्ष मास्टर विनोद के सानिध्य में वजीराबाद रोड़ पर हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी वीरेन्द्र सचदेवा, प्रदेश मंत्री व सह प्रभारी गौरव खारी, विधायक जितेन्द्र महाजन उपस्थित थे। इस अवसर पर समस्त जिले, मण्डल, मोर्चो, प्रकोष्ठों, शहरी केंद्र,

बीएलए, विधानसभा संयोजको व बूथ प्रमुखों को सम्बोधित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन ने कहा कि जमीनी कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ की हड्डी होते है उन्ही के बल पर सरकार बनती है। श्री सिद्धार्थन ने कहा कि निगम चुनाव का आगाज हो चुका है। कार्यकर्ता प्रदेश व जिले की प्रतीक्षा न कर अपनी अलौकिक ऊर्जा से इस निक्कमी व दिल्ली को शराब की नगरी बनाने वाली केजरीवाल सरकार के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फुके प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने कहा कि आप सबको आपकी शक्ति याद करनी है। कार्यकर्ता ही संगठन की नीव की पूंजी होते है 2 से 300 सांसद बनाने की दिव्य शक्ति रूपी क्षमता आप जैसे हजारों कार्यकर्ताओं ने पूर्ण की है। अनुशासन ही संगठन की प्रथम प्रथमिकता है और यह सिर्फ आप जैसे लाखो भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं में है। जानलेवा कोविड महामारी में जो आप लोगो ने अपनी जान की परवाह किए बगैर बीमारी में लोगो का पूर्णतय मदद की वह भाजपा ही कार्यकर्ता कर सकता है।

ईडीएमसी मेयर ने प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया

कुलदीप त्यागी

नई दिल्ली। पत्रकारिता, शिक्षा, चिकित्सा विज्ञान, समाज सेवा पुलिस, वकालत लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए अन्नया फाउंडेशन के तत्वाधान में समाज सेवी पारुल गुप्ता ने कार्यक्रम का आयोजन किया।इस मौके पर मुख्य अतिथि ईडीएमसी मेयर श्याम सुन्दर अग्रवाल, पूर्व मेयर विपिन बिहारी सिंह, निगम में शिक्षा समिति के सदस्य बिनोद बछेती ने सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्वी एमसीडी के मेयर

श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं का सम्मान बहुत बड़ी बात है। एक महिला इस देश की प्रधानमंत्री रहीं, आज देश की अर्थव्यवस्था महिला वित्तमंत्री सीता रमण? की वजह से सुचारू चल रही है। उन्होंने कहा कि वह मेयर बने के रूप में सफलता से काम कर रहे हैं तो इसके पीछे भी उनकी पत्नी का सहयोग है। मेयर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं के सहयोग के बिना कोई समाज आगे नहीं बढ़ सकता।

समाज सेवी पारुल गुप्ता ने बताया कि अन्न्या फाउंडेशन ने समाज की प्रगति में अपना योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मान देने की यह पहल मातृ शक्ति को नमन करने की छोटी सी कोशिश है। आने वाले वक्त में हम इसी तरह से विभिन्न क्षेत्रों में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाने वाली महिलाओं को सम्मान देते रहेंगे। सम्मानित होने वाली महिलाओं पत्रकार सुषमा रानी, डाक्टर सविता जैन, सुधा अय्यर, समेत कई महिलाएं शामिल हैं।

11 महीने के गैप पर पुल बनाएंगे 'ब्रिज कोर्स'

■ छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार करने के लिए एसआर कैपिटल स्कूल की खास पहल

■ लिटिल फ्लॉवर पब्लिक स्कूल में बड़े छात्रों ने खास अंदाज में किया छोटे छात्रों का स्वागत

पूर्वी दिल्ली।

कोविड के कहर के करीब दो साल बाद दिल्ली के तमाम स्कूल सभी कक्षाओं के लिए खुल गए। इस सेशन के 11 महीने बीत चुके हैं। ऐसे में लंबे समय बाद स्कूल आने वाले छात्रों को पढ़ाई में मदद और परीक्षा की तैयारी रोचक ढंग से करवाने के उद्देश्य से शाहदरा स्थित एसआर कैपिटल पब्लिक स्कूल ने अपने यहां ब्रिज कोर्सेज की खास पहल की है। 30 दिन के इस कोर्स के जरिए छात्रों की 11 महीने की पढ़ाई के गैप पर पुल बांधने का काम किया जाएगा। वहीं, शिवाजी पार्क स्थित लिटिल फ्लॉवर पब्लिक स्कूल में भी अनोखे अंदाज में छात्रों का स्वागत किया गया।

एसआर कैपिटल ग्रुप ऑफ स्कूल के प्रमुख और शिक्षाविद लक्ष्य छाबड़िया ने कहा कि उन्हें इस बात की बहुत खुशी है की आज से नर्सरी कक्षा से आठवीं कक्षा तक के छोटे बच्चे 2 साल बाद स्कूल आना शुरू हो गए हैं। उन्होंने बच्चों के लिए विशेष तौर पर एक महीने का ब्रिज कोर्स शुरू किया है। ब्रिज कोर्स में बच्चों के कंसेप्ट क्लियर किए जाएंगे। 2 साल में जो शिक्षा अधूरी रह गई है उसको पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। ब्रिज कोर्स में सभी कक्षाओं के बच्चों के लिए रोचक गतिविधियां प्लान की गई हैं ताकि वे कम समय में ज्यादा सीख सकें।

वहीं, शिवाजी पार्क स्थित लिटिल फ्लॉवर पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल नीता दुआ ने भी सोमवार से सभी कक्षाओं के लिए स्कूल खुलने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि बड़े छात्रों ने खास अंदाज में छोटे छात्रों का स्वागत किया। बच्चे लंबे समय बाद स्कूल आ रहे हैं, इसलिए कोशिश यही है कि उन पर पढ़ाई का बोझ कम से कम हो और वे विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर बेहतर ढंग से सीख सकें। इसके लिए खास गतिविधियां भी तैयार की गई हैं।

सम्पादकीय

संसदीय गरिमा पर सवाल?

ओमप्रकाश मेहता

अभिभाषण के जवाब में पार्टी प्रचार कहाँ तक उचित?

देश के प्रधानमंत्री और सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी पर पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव इतने हावी हो गए है कि वे संसदीय मर्यादा को भी विस्मृत कर रहे है, इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी द्वारा संसद में राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर दिया गया जवाब है, जिसमें अभिभाषण के मुद्दों पर तथा सरकार की कथित उपलब्धियों पर चर्चा करने के स्थान पर अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार और प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को कोसने का गैर संसदीय कृत्य किया गया। प्रधानमंत्री जी ने कांग्रेस

को जिन शब्दों में कोसा वे भी ससंदीय मर्यादा व प्रधानमंत्री जी के पद के अनुकूल नहीं थे, अब इसे क्या कहा जाए?

प्रधानमंत्री जी की भावी जीत के प्रति व्यग्रता इतनी अधिक बढ़ गई है कि उन्हें अपने पद की मर्यादा का भी ख्याल नहीं रहता, पार्टी ने चूंकि पूरे देश में भाजपा को 'चक्रवर्ती सम्राट' बनाने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री को सौंपी है, इसलिए शायद वे अपनी व पद की मर्यादा भूल कर पार्टी प्रचार में जुटे है। संसद में अभिभाषण के जवाब में उनके विचार इसी भावना को मूर्तरूप प्रदान कर रहे है। इससे पहले संसद के दोनों सदनों में कभी भी पार्टी प्रचार के दृष्य नहीं देखे गए, संसद में चर्चा सरकार व उसके कार्यों पर ही सीमित रहती थी, किंतु अब प्रधानमंत्री जी ने एक नई परम्परा को जन्म दे दिया है। ....और पार्टी प्रचार व जीत के प्रयासों में वह सब किया जा रहा है, जो राजनीतिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है।

यहीं नहीं अब तो भाजपा के केन्द्रीय पदाधिकारियों द्वारा बयान भी कुछ अजीब ही दिये जा रहे है, उदाहरण स्वरूप पार्टी के महासचिव व मध्यप्रदेश के संगठन प्रभारी मुरलीधर राज का यह कहना कि भाजपा के वोट शेयर का लक्ष्य अब पचास फीसदी से अधिक करने का है जिससे कि अगले पच्चीस साल तक देश पर राज करने में कोई परेशानी पैदा नही हो, साथ ही अपने इसी तर्क के विरोध में स्वयं ही यह भी कहते नजर आ रहे है कि लगातार सत्ता में रहने से सोच स्थिर हो जाती है आखिर इस तरह की अन्तर्विरोधी बयानबाजी पार्टी का कौन सा लक्ष्य साधती है?

इस सबसे अलग हटकर भी यदि मौजूदा राजनीतिक हालातों पर गौर किया जाए तो भाजपा व उनकी केन्द्र व राज्य सरकारों की अल्प संख्यक मुस्लिमों के प्रति बढ़ती ज्यादतियां है, ताजा उदाहरण कर्नाटक से शुरू हुआ शिक्षण संस्थाओं में हिजाब (बुरका) का विरोध है, वहां स्कूल-कॉलेजों की छात्राओं से कहा जा रहा है कि चूंकि हिजाब (बुरका) शिक्षण संस्थान की निर्धारित पौषाक का अंग नहीं है, इसलिए हिजाब डालकर शिक्षण संस्था में आना गैरकानूनी है, वहां इसी मुद्दें पर हिंसक वारदातें भी हो रही है, हिजाब का विरोध करने वाले युवा छात्र अपने गले में केशरियां दुपट्टा डाले हुए थे, जो वह भी निर्धारित पौषाक का अंग नहीं है, इन केशरियां दुपट्टा छात्रों को भाजपा समर्थित बताया जा रहा है। यह एक नया विवाद है जो कर्नाटक् के बाद अब देश के अन्य भाजपाशासित राज्यों में भी फैल रहा है, यही नहीं चुनावी राज्यों (खासकर उत्तरप्रदेश) में भी इसकी भनक सुनाई पड़ने लगी है, यदि इसे शीघ्र रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो देश में साम्प्रदायिक दुर्भावनाओं के विस्तार की संभावनाएं बढ़ सकती है। वैसे जहां तक साम्प्रदायिक दंगों का सवाल है, प्रधानमंत्री तथा भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी चाहे यह कहें कि देश में पिछले सालों में एक भी साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ, जबकि स्वयं गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में लिखित रूप से स्वीकार किया कि 2018 से 2020 की अवधि के दौरान देश में 1807 साम्प्रदायिक दंगें हुए, अकेले बिहार में तीन साल में 2777 दंगाईयों की गिरफ्तारियां हुई है। जबकि महाराष्ट्र में तीन साल में 167 मामले दर्ज किए गए। इस प्रकार इस देश में साम्प्रदायिकता का जहर अभी भी व्याप्त है।

इस प्रकार कुल मिलाकर देश का राजनीतिक माहौल कुछ अजीब ही शक्ल लेता जा रहा है, देश का सत्तारूढ़ दल सभी काम छोड़कर केवल विस्तारवादी विचारधारा से जुड़ गया है, वहीं अन्य प्रतिपक्षी दल अपने अंदर के कलह को दूर नहीं कर पा रहे हैं, अब ऐसी स्थिति में देश का आम वोटर पूरी तरह उपेक्षित हो गया है और उसे अपने दैनंदिनी उलझनों से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। ऐसी विषम स्थिति में कोई करे भी तो क्या?

प्राकृतिक आपदाओं की भेंट चढ़ते जवान

प्रभुनाथ शुक्ल

अरुणाचल प्रदेश के कामेंग इलाके में हिमस्खलन की वजह से सेना के सात जवान शहीद हो गए। जवानों की शहादत उस स्थान पर हुई जहां हमारे देश की सीमा चीन से लगती है। प्राकृतिक आपदाओं में सेना के जवानों की शहादत हमारे लिए बड़ा सवाल है। गृह और रक्षा मंत्रालय को एक साथ मिलकर प्राकृतिक आपदाओं में जवानों की शहादत को रोकना चाहिए। भू और मौसम वैज्ञानिकों के साथ सेना की तकनीकी विभाग को मिलकर इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए रणनीति बनानी चाहिए। क्योंकि बर्फ़ीले तूफान की भेंट चढ़ कर अब तक एक हजार से अधिक जवान शहीद हो चुके हैं।

मौसम की गड़बड़ी की वजह से सेना के जवानों को एयरलिफ्ट नहीं किया जा सका। भारी हिमस्खलन होने से सभी सात जवान शहीद हो गए। एवलॉन्च और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नयी नहीं है। हमारे जवान दुर्गम पहड़ी इलाकों में हजारों फीट की ऊचाई पर देश की रक्षा करते हैं। सेना की शहादत और पराक्रम को भूनाने वाली सरकारों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पूरा देश भारतीय जवानों पर गर्व करता। हम बर्फ़ीली ठंड में जब कमरों में वार्मर लगा कर राजाई में गहरी नींद लेते हैं तो हमारा जवान एवलांच और

हिमस्खलन जैसी प्रकृतिक आपदा में शहीद होता है।अनावश्यक किसी जवान की शहादत राष्ट्र को भारी क्षति पहुंचाती है। शहादत कि कीमत आम भारतीय परिवार किस तरह चुकाता है इसकी पीड़ा कोई उसी से पूछे जिनके सपने और उम्मीदें लुट जाती हैं।

ऐ मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुबार्नी..स्वर कोकिला लता जी अब हमारे बीच नहीं रहीं। यह अमर गीत लिखने वाले कवि प्रदीप भी नहीं हैं, लेकिन लता और प्रदीप जी अमर हो गए। इस गीत को सुनकर हर भारतीय के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शहीदों के सम्मान में आँसू निकल आते हैं। सीना गर्व से फूल उठता है। उसके अंदर एक सैनिक का जज्बा जाग उठता है। लेकिन सेना के लिए हमारी चिंता कितनी है सवाल इस बात का भी है।

आपको याद होगा 2017 में श्रीनगर के गुरेज सेक्टर में एवलांच यानी बर्फीले तूफान में 15 जवानों की मौत ने देश को हिलाकर रख दिया। एवलांच मौत की सुनामी बन कर आया था। हमने अपने जाबाज जवानों को बेमतलब खो दिया था। जवान दुश्मन के खिलाफ जंग लड़ते नहीं प्राकृतिक कहर में मारे गए। वह भी जिस चौकी पर जवान शहीद हुए वह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण थी। कुछ ऐसा ही अरुणाचल प्रदेश के कामेंग इलाके में हिमस्खलन की वजह से हुआ।

हमारे सैनिक प्राकृतिक आपदा का शिकार क्यों होते हैं।क्या हमारे पड़ोसी मुल्क चीन, अमेरिका और रूस के जवान भी बर्फीली सीमा पर इस तरह शहीद होते हैं। अगर नहीं तो हमने क्या इस बारे में कभी सोचा? जवानों की सुरक्षा के लिए हमने कोई तंत्र अब तक क्यों नहीं विकसित किया? सिर्फ जवानों की शहादत पर घड़ियाली आंसू बहाने से क्या हम जिम्मेदारियों से बच सकते हैं। सरकारों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

फरवरी 2016 में भी हमारे 10 जवान इसी तरह शहीद हुए थे, जिसमें मेजर हनुमनथप्पा भी शामिल थे, जिन्हें कई दिन बाद बर्फ से बाहर निकाला गया, लेकिन हम उन्हें बचा नहीं पाए। हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं में एवलांच यानी बर्फीला तूफान और हिमस्खलन ठंड के मौसम में समान्य घटना है। हजारों फीट ऊंची पर्वत श्रृंखलाओं पर बर्फीले तूफान की वजह से मोटी परत जम जाती है। अधिक दबाब की वजह से जब यह नीचे आती है तो इसे एवलांच कहा जाता है। इसकी गति सीमा 100 से 150 किमी प्रतिघंटा की होती है, जिसकी हम कल्पना तक नहीं कर सकते।

हिमालयी इलाकों में सीमा की सुरक्षा बेहद खतरनाक है। जवानों का एक-एक कदम जोखिम भरा होता है। यंत्रों के माध्यम से जांच परख के बाद वह अपना कदम बढ़ाते हैं। एक-दूसरे के साथ रस्सियों के सहारे आपस में बंधे होते हैं। ऑक्सीजन कम होने से सांस लेना भी मुश्किल होता है। बर्फीली गर्तो में समाने का डर हमेशा बना रहता है। वहां तापमान माइनस से कई डिग्री नीचे रहता है।

सफेद बर्फ पर जब सूरज की रौशनी पड़ती है तो उससे आंखों की रौशनी जाने का भी खतरा बना रहता है। इसीलिए जवान विशेष प्रकार का चश्मा पहनते हैं। एवलांच और हिमस्खलन से जवानों को कैसे सुरक्षित रखा जाए अभी तक इसकी तकनीक विकसित नहीं हो पाई है। यह हमारे सिस्टम की सबसे बड़ी नाकामी है। इस पर कभी विचार नहीं किया गया कि एवलांच जैसे बर्फीले तूफान से सीमा पर तैनात जवानों को कैसे बचाया जाए।

हम मंगल ग्रह पर सिर्फ तीन साल में उपग्रह भेज कर अपनी कामयाबी का झंडा बुलंद कर सकते हैं। मिसाइल तकनीक में दुनिया में भारत का लोहा मनवा सकते हैं, लेकिन जवानों की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक कसौटी पर खरा सुरक्षा कवच नहीं तैयार कर सकते। आखिर क्यों?

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन यानी डीआरडीओ ने 2004 में (डब्लूपीएमएस) नामक सिस्टम विकसित करने की प्लानिंग बनाई थी। जिसे वैरियबल साइकोलॉजिकल मॉनिटरिंग सिस्टम का नाम दिया था। संक्षिप्त में उसे स्मार्ट वेस्ट भी कहा गया। इस तकनीक के माध्यम से बर्फीली सीमा पर तैनात जवानों को एक सेंसर लगी जैकेट दी जाती। उस सेंसर के जरिए जवानों की पूरी लोकेशन और स्वास्थ्य की जानकारी कमांडिंग कंट्रोल कैंप को मिलती रहती। संयोग से अगर जवानों की टीम हिमस्खलन या बर्फीले तूफान में फंस गयी तो सेंसर के जरिए वह जानकारी बेसकैंप तक पहुंच जाती, जिससे पूरी यूनिट सतर्क हो जाती और फंसे जवान को सुरक्षित निकालने का प्रसास किया जाता। लेकिन अभी तक यह सुविधा सेना को उपलब्ध हुई या नहीं यह हम नहीं कह सकते। वैसे वर्तमान सरकार सेना के तकनीकी विकास, सुरक्षा और उनकी सुविधाओं को लेकर अधिक संवेदनशील है, लेकिन सेना प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए बहुत कुछ करना है।

सेना के संपूर्ण विकास और उसकी सुरक्षा के लिए अलग से रणनीति बननी चाहिए। रक्षा और गृहमंत्रालय को इस पर त्वरित नीतिगत फैसले की जरूरत है।भारतीय सेना प्राकृतिक विषमताओं वाले दुर्गम इलाकों में काम करती है, जिससे उसके स्वास्थ्य और सुरक्षा का मसला हमेशा खड़ा रहता है। सेना के लिए एक खास वैज्ञानिक और तकनीकी यूनिट का विकास होना चाहिए, जिसका काम सिर्फ सेना की सुरक्षा और उसकी तकनीकी सुविधाओं का ख्याल रखे। क्योंकि हमारी सेना हमारी शान और राष्ट्ररक्षा में उसके योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है।

इस 'सांप्रदायिकतावादी विरोध' का आख़िर कोई पैमाना भी है?

तनवीर जाफ़री

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले हमारे देश के भारतीय जनता पार्टी शासित राज्य कर्नाटक की राजधानी बंगलौर से लगभग सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मांड्या ज़िले के एक कॉलेज की वीडिओ इन दिनों पूरे विश्व में वायरल हो रही है जिसमें हिजाब पहने कॉलेज की एक अकेली मुस्लिम छात्रा को दर्जनों लोग कॉलेज कैम्पस में घेरे हुये हैं और उसके हिजाब पहनने का विरोध कर रहे हैं। साथ साथ यह युवक जय श्री राम के नारे भी लगा रहे हैं। युवकों की इस भीड़ को देखकर साफ़ पता चलता है कि ये वे लोग हैं जिन्हें बाक़ायदा भगवा ब्रिगेड ने प्रशिक्षित किया है। हिजाब पहनने वाली छात्राओं का अचानक कर्नाटक में इतना विरोध बढ़ जायेगा और यह देश के अन्य राज्यों में भी फैल जायेगा यहाँ तक कि हिजाब पहनने के विरोध में भगवा गमछा गले में डाल कर हिंदूवादी संगठन हिन्दू छात्राओं को भी कॉलेज भेजने लगेंगे इसकी उम्मीद भी नहीं की जा सकती थी। परन्तु सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की एक साज़िश के तहत यह किया गया। और इस हिजाब बनाम भगवा गमछा के सुनियोजित विवाद की आग से निकला धुआँ देश के अन्य राज्यों में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में फैल गया।

मैं व्यक्तिगत रूप से न तो हिजाब का समर्थक हूँ न ही विरोधी। मैं उन लड़कियों की धार्मिक भावनाओं का भी आदर करता हूँ जो अपनी धार्मिक परम्पराओं व मान्यताओं का सम्मान करते हुये हिजाब अथवा नक़ाब (धारण) करती हैं। साथ ही हिजाब अथवा नक़ाब न धारण करने वाली उन महिलाओं का भी समान रूप से सम्मान करता हूँ जो अपनी स्वतंत्रता व मानवाधिकार का इस्तेमाल करते हुये हिजाब अथवा नक़ाब धारण नहीं करतीं। परन्तु दक्षिणपंथियों की इस दलील से क़तई सहमत नहीं कि यदि हिजाब पहनना है तो कॉलेज के बजाये मदरसे में जाकर पढ़ाई करें। यदि किसी लिबास के कारण उसके स्थान व गंतव्य निर्धारित किये जाने लगे फिर तो किसी भी साधु या मुल्ला को मुख्यमंत्री सांसद अथवा विधायक बनने के बाद अपने धार्मिक लिबास में संसद अथवा विधानसभा में ही नहीं जाना चाहिये क्योंकि हिजाब+मदरसा थ्योरी के अनुसार तो भगवा लिबास केवल मठ मंदिर आश्रम तक ही सीमित रहना चाहिये और किसी निर्वाचित मौलवी को भी अपना धार्मिक लिबास पहन कर सदन में आने के बजाये केवल मस्जिद/मदरसे में ही जाना चाहिये?

दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि दक्षिणपंथी संप्रदायिकतावादियों के इस हिजाब विरोध में उनका दोहरापन भी साफ़ नज़र आता है। जब यही मुस्लिम महिलायें हिजाब /नक़ाब/बुर्क़ा पहन कर गुरुपूर्णिमा में किसी गुरूजी की आरती उतारती नज़र आती हैं,जब यही हिजाबधारी व नक़ाबपोश महिलाएं भगवन राम की आरती उतारती हैं,जब यही मुस्लिम महिला स्वयं हिजाब /नक़ाब ओढ़े अपने बच्चे को श्री कृष्ण का लिबास पहनाकर श्री कृष्ण जन्माष्टमी में श्री कृष्ण की भूमिका अदा करने ले जाती है तब यही प्रशिक्षित हिजाब विरोधी उसके हिजाब का विरोध करने के बजाये उनका स्वागत करते दिखाई देते हैं,उनपर पुष्प वर्षा करते हैं। जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा गठित राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के किसी आयोजन में मुस्लिम महिलायें हिजाब,नक़ाब या बुर्क़े में शिरकत करती हैं और भजन कीर्तन करती हैं तब यही हिजाब विरोधी उनका स्वागत करते व उनके साथ खड़े दिखाई देते हैं? परन्तु कॉलेज की छात्रा का हिजाब पहनना इनसे सहन नहीं होता?

इनके ऐसे ही दोहरेपन व संकीर्णता का एक और जीवंत उदाहरण। इसी वर्ष 8 जनवरी को केरल के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ां ने उज्जैन के महाकाल मंदिर में ज्योतिर्लिङ्ग के दर्शन किये। उन्होंने यहाँ भोग आरती में शिरकत की। उन्हें मंदिर के पुजारियों द्वारा पूजा कराई गयी। उनका पूरा सम्मान किया गया तथा उन्हें सम्मान स्वरूप प्रशाद व सिरोपा आदि भेंट किया गया। निश्चित रूप से आरिफ़ मोहम्मद ख़ां का मंदिर में जाना,वहां की परंपरानुसार पूजा पाठ में शरीक होना और मंदिर के पुजारियों द्वारा बिना उनका धर्म जाति पूछे उन्हें पूरा मान सम्मान देना हमारी गंगा यमुनी तहज़ीब की जीवन्त मिसाल है और इसका सर्वत्र स्वागत किया जाना चाहिये। परन्तु यदि यह सही है तो डासना के मंदिर के बाहर लगे सार्वजनिक पियाऊ पर एक प्यासे मुस्लिम बच्चे का मात्र पानी पीना अपराध कैसे हो गया? किस आधार पर और किस मानसिकता के चलते उस बच्चे की यह कहते हुये पिटाई की गयी कि वह मुसलमान होकर मंदिर के पियाऊ पर पानी पीने कैसे गया? मंदिर के पियाऊ के पानी को केवल हिन्दुओं के लिये %सर्वाधिकार सुरक्षित % करना क्या इससे भगवान श्री राम खुश होंगे? उदारवादी हिंदुत्व तो ऐसी शिक्षा नहीं देता? इसी प्रकार देश के अनेक मंदिरों व धर्मस्थानों पर इस आशय का बोर्ड लगा देखा जा सकता है जिसमें लिखा है कि यहाँ मुसलमानों का प्रवेश वर्जित है। हालांकि यही भाषा देश के अनेक मंदिरों में दलितों के लिये भी लिखी गयी है।

पिछले दिनों राहुल गाँधी के लोकसभा में दिये गये भाषण से तिलमिलाये प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में इस बात पर चिंता जताई कि विपक्ष के लोग देश की बदनामी में लगे हैं। कर्नाटक का मांड्या हिजाब कांड पूरी दुनिया में क्या देश का मान बढ़ा रहा है? कभी यही प्रशिक्षित दक्षिणपंथी लड़कियों के जीन-टॉप पहनने का विरोध करने लगते हैं,कभी इन्हें स्कर्ट ब्लाउज़ पसंद नहीं आता, वेलेंटाइन डे का प्रत्येक वर्ष विरोध करने का तो इन्हें गोया नया काम ही मिल गया है। अज़ान व नमाज़ से इन्हें नफ़रत है। दो अलग धर्मों के लड़के लड़कियां एक साथ खड़े बात करते या कहीं आते जाते इन्हें अच्छे नहीं लगते। देश की बदनामी की चिंता करने वालों को सोचना चाहिये कि आख़िर क्यों शिक्षा विरोधी तालिबानी कट्टरपंथियों की गोली का शिकार हो चुकी नोबल पुरस्कार विजेता मलाला युसुफ़ज़ई को अपने ट्वीट में यह कहना पड़ा कि - कॉलेज हमें पढ़ाई और हिजाब के बीच चयन करने के लिए मजबूर कर रहा है। %लड़कियों को उनके हिजाब में स्कूल जाने से मना करना भयावह है। महिलाओं को एक सामान की तरह मानना अभी भी जारी है - भारतीय नेताओं को मुस्लिम महिलाओं के हाशिए पर जाने से रोकना चाहिए। क्या मलाला की यह टिप्पणी दुनिया का ध्यान आकर्षित नहीं करेगी। अमेरिका तक इस घटना की गूँज क्या देश की बदनामी का सबब नहीं है? यह स्थिति विपक्षी दलों के बदनाम करने से नहीं बल्कि सत्ता के संरक्षण में चल रहे सांप्रदायिकतावादी व छात्रा विरोधी अभियान के चलते बनी है ।

अतिवादियों की इस प्रकार की भ्रम पूर्ण कारगुज़ारियां जहाँ यह ज़ाहिर करती हैं कि इनके सांप्रदायिकतावादी विरोध का कोई मापदण्ड नहीं है बल्कि यह अपने आक़ाओं के इशारे पर अपनी राजनैतिक सुविधानुसार और सामाजिक ध्रुवीकरण के मद्देनज़र समय समय पर जगह जगह उपद्रव करते दिखाई देते हैं वहीं इससे यह भी साबित होता है कि इन्होंने शिक्षा के उन मंदिरों को भी ध्रुवीकृत करने की कोशिश शरू कर दी है जो बच्चों को धर्म जाति के स्तर से ऊपर उठकर सीखने,सोचने व निखरने का अवसर प्रदान करते हैं तथा परस्पर मेल जोल की भावना के साथ देश को आगे ले जाने में अपनी प्रतिभाओं का उपयोग करते हैं ।

हिजाब का मुद्दा है या वर्चस्व की जंग में निर्णायक पडाव

डा. रवीन्द्र अरजरिया

कर्नाटक के गवर्मेन्ट महात्मा गांधी मेमोरियल कालेज में छः छात्राओं को हिजाब पहनकर आने से रोका गया। कालेज के नियमों को छात्राओं ने मानने से इंकार कर दिया। हाई कोर्ट में इसके खिलाफ मामला दायर कर दिया गया, जिस पर कोर्ट ने कहा है कि जब तक यह विवाद सुलझ नहीं जाता तब तक छात्रायें शैक्षणिक संस्थानों में ऐसा कोई वस्त्र नहीं पहनें, जिससे यह विवाद तूल पकडे। याचिकाकर्ताओं ने कर्नाटक हाई कोर्ट के इस अंतरिक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, नेशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती सहित पाकिस्तान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई तक ने इसे मौलिक अधिकारों के मुंह पर तमाचे की संज्ञा से संबोधित किया। समाजवादी पार्टी की नेता रुबीना ने तो यहां तक कह दिया कि हिजाब पर हाथ डाला तो काट दिये जायेंगे हाथ। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता संगठन में अमेरिका के राजदूत रशद हुसैन ने कहा कि स्कूलों में हिजाब को बैन करना, धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। अमेरिका को भी केवल भारत में ही धार्मिक स्वतंत्रता की वकालत करने का होश है जबकि अनेक देशों में धार्मिक स्वतंत्रता नाम की कोई चीज ही नहीं है। वहां सभी नागरिकों को एक तरह के समान संविधान को मानने की बाध्यता है। देश के कर्नाटक राज्य से शुरू हुआ विवाद वास्तव में जानबूझ कर शुरू किया गया मुद्दा है। आतंकवाद को संरक्षण देने वाली गैंग ने अपने सीमापार के आकाओं के इशारे पर छः छात्राओं को सुनियोजित षडयंत्र के तहत कालेज के ड्रेस कोड का उल्लंघन करवाते हुए हिजाब पहनाकर कालेज भेजा। इस तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोगों को तो यहां तक कहना है कि यह ठीक वैसी ही शुरूआत है जैसी कि शुक्रवार को नौकरी के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों को नमाज अदा करने हेतु दोपहर में दो घंटे का विशेष अवकाश देने की पहल हुई थी। जब वह पहल सफल रही तो दबाव की राजनीति के तहत धर्म के नाम पर नसबंदी का बहिस्कार किया गया और फिर परिवार नियोजन के नाम पर होने जबरन बंधियाकरण से भी उन्हें मुक्ति मिल गई। धीरे-धीरे यह मामला सरकारी जमीनों पर धार्मिक स्थानों के अवैध निर्माण की सफल परिणति के रूप में सामने आया। अल्पसंख्यक संरक्षण के तहत विशेष सुविधाओं का सूत्रपात भी हुआ। कुछ ही दिन पहले गुरुग्राम में खुले में नमाज का मुद्दा जानबूझ कर गर्माया गया। धार्मिक स्वतंत्रता का मतलब खुल्मखुल्ला मनमाने आचरण में बदलता चला गया। आज स्कूलों, कालेजों के ड्रेस कोड को अपनी इच्छानुसार बनवाने का प्रयास हो रहा है। कल के दिन पाठ्यक्रम का निर्धारण भी भीड के व्दारा ही निर्धारित करने की पहल होगी, उसके बाद संविधान को दरकिनार करते हुए शिरयत के हिसाब से समाज निर्माण की कोशिशें होंगी। देश-दुनिया के ज्यादातर मुस्लिम नेता हिजाब को लेकर भारत पर दबाव बनाने में लगे हैं। रूस के मुद्दे पर भारत के तटस्थ रहने के कारण अमेरिका भी हिजाब को धार्मिक स्वतंत्रता पर कुठाराघात बता रहा है। अनेक देशों में तो मुस्लिम जालीदार टोपी भी खुलेआम नहीं लगा सकते। वहां न तो धार्मिक स्वतंत्रता के नारे बुलंद होते हैं और न ही सम्प्रदायवाद के शिकंजे में जकडी जीवन जीने की पध्दति को सार्वजनिक करने की मांग उठती है। ऐसे देश ज्यादा विकसित और खुशहाल हैं। भारत में जब तक एक देश-एक कानून, की स्थापना नहीं होगी, तब तक ऐसे मुद्दों को लेकर आर्तकियों के संरक्षकों के व्दारा देश में अशान्ति फैलाने का काम होता रहेगा। हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश तक को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक गुहार लगाई जा रही है। उन्हें इतना भी सब्र नहीं था कि हाई कोर्ट का फैसला आ जाने देते। यदि वे संतुष्ट नहीं होते तो सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खुले थे। वे मुद्दे को और ज्यादा गर्माने के फिराक में हैं ताकि कोर्ट को भी 30 करोड लोगों के ठेकेदारों के आगे झुकाया जा सके और देश को अशान्ति से बचाने की कीमत हिजाब को जायज ठहराकर ली जा सके। स्वाधीनता के बाद बनाये गये संविधान में जानबूझकर अंग्रेजों की फूट डालो, राज करो, की नीति का पालन करते हुए अनेक अस्पष्ट स्थितियों को शामिल किया गया था। यही नीति आज देश के लिए सिरदर्द बनी हुई है। कांग्रेस पूरी तरह से हिजाब पर लगाये गये प्रतिबंध के विरोध में ठीक उसी तरह से खडी है जैसे कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की टुकडे-टुकडे गैंग के दौरान खडी थी। इतना ही नहीं कन्हैया कुमार जैसे लोग तो उनकी पार्टी के स्टार प्रचारक भी हैं। गैर भाजपा दलों ने एक साथ खडे होकर मुसलमानों को लुभाने की कोशिशें तेज कर दीं हैं। यही हमेशा से होता आया है। बहुसंख्यकों के नाम पर शोषण की नई-नई इबारतें हमेशा से ही लिखी जाती रहीं है। परिणाम सामने है कि आज अनेक स्थानों पर तो बहुसंख्यकों की स्थिति अब अल्पसंख्यक में बदल चुकी हैं और यहां जो गैर मुस्लिम परिवार हैं उनका जीना भी दुश्वार है। कई गांव तो हिन्दू विहीन तक हो चुके हैं। कश्मीरी हिन्दुओं को खुलेआम उत्पीडित करके घाटी से भगाये जाने की क्रूर दास्तानें किसी से छुपी नहीं हैं। अपने ही देश में शरणार्थियों जैसी जिन्दगी गुजारते उनका दर्द किसी ने नहीं सुना और न ही उन्हें उनके पैत्रिक स्थानों पर फिर से बसाने की पहल हुई। किसी भी राजनैतिक दल का कोई भी कद्दावर नेता वहां हालचाल पूछने नहीं गया और न ही यह मुद्दा कभी सुर्खियां ही बना। चौपाल-चौराहों पर हो रही चर्चाओं का सारसंक्षेप केवल इतना ही है कि सम्पन्न मुस्लिम देशों से जकात और फितरा के रूप में निकाली जाने वाली धनराशि का उपयोग भारत जैसे गणराज्य में जेहाद, आतंक और धार्मिक वैमनुष्यता फैलाने के लिए खुलकर हो रहा है। जबकि इन अमानवीय कृत्यों का संरक्षण हिन्दू परिवारों में जन्म लेने वाले अनेक खद्दरधारी अपनी धर्मनिरपेक्षता दिखाने के लिए हमेशा से ही करते आ रहे हैं। हिन्दु-मुस्लिम कल भी एक थे, आज भी एक हैं और कल भी तब एक रह सकेंगे जब चंद षडयंत्रकारी अपनी रोटियां सेंकना बंद कर देंगे। गांव गली के मुद्दे वहां के निवासी स्वयं सुलझा लेंगे। वहां किसी आयातित नेता की आवश्यता नहीं होती मगर वे अपने खद्दर का धर्म निभाते हुए ठेकेदारी करने जबरियन पहुंच जाते हैं और आग लगाकर भाग निकलते हैं। हिजाब का मुद्दा कर्नाटक के एक कालेज का था। ड्रेस कोड का पालन जब सभी कर रहे थे तो फिर अचानक हिजाब पहन कर जाने की कौन सी बाध्यता आ गई थी। किसके इशारे पर यह मुद्दा पैदा किया गया। सरकार के सामने अपनी बात रखने के स्थान पर हाई कोर्ट में याचिका दायर करना भी इसे हवा देने जैसा है। उसके बाद निर्णय की इतनी जल्दबाजी क्या थी कि हाई कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा नहीं की गई। जब अभी तक बिना हिजाब लगाये वे छः छात्राये कालेज जातीं रहीं तो चंद दिनों में आने वाले अदालती फैसले का इंतजार भी किया जा सकता था। मगर अंतरिम आदेश को भी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तत्काल व्यवस्था की गई। एक कालेज में मुद्दा पैदा किया गया, उसे देश के अनेक राज्यों में धार्मिक उन्माद की तरह फैलाया गया और फिर शुरू हो गया उसके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गर्माने का सिलसिला। पूरे घटानाक्रम को सिलसिलेवार देखते हुए यह विचार करना होगा कि यह हिजाब का मुद्दा है या वर्चस्व की जंग में निर्णायक पडाव है। जब तक सभी नागरिकों के लिए एक कानून नहीं होगा तब तक इस तरह के प्रयासों से देश को खोखला करने की कोशिशें होतीं रहेंगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नयी आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार-समाचार

दिल्ली में राहगीरों को लूटने वाले 3 किन्नर गिरफ्तार, नशे की लत पूरी करने को करते थे लूटपाट

नई दिल्ली.राजधानी दिल्ली में साउथ-वेस्ट जिला पुलिस ने सड़कों पर आम लोगों से लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले 3 किन्नरों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों की पहचान, श्रेया, कवीना और चांदनी के तौर हुई है। पुलिस फिलहाल इनसे पूछताछ कर इनका आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, 11 फरवरी को पीसीआर कॉल पर किशनगढ़ इलाके से एक शख्स ने अपने साथ हुई लूटपाट की वारदात की जानकारी दी थी, पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची तो पीड़ित मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वो मुनिरका से लाडो सराय अपने घर की तरफ जा रहा था तभी 3 किन्नरों ने उसे रोका और जबरन एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां पर काफी अंधेरा था। वहां किन्नरों ने पीड़ित की पिटाई की और उसके पास से कैश और एटीएम कार्ड और दस्तावेज छीन ले गए। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तमाम बस स्टैंड और तमाम उन जगहों की तलाशी ली जहां किन्नरों के छुपे होने का अंदेशा था, पुलिस को कामयाबी मिली और तीनों किन्नर गिरफ्तार कर लिए गए, पीड़ित ने भी तीनों को पहचान लिया।

पूछताछ में तीनों किन्नरों ने बताया कि उन्हें शराब और ड्रग की लत लग चुकी है, पैसे और ड्रग की लत को पूरा करने के लिए वो देर रात को सड़क पर गुजरने वाले लोगों को रोक कर उनसे लूटपाट करते थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहां-कहां पर इन्होंने इस तरह की वारदात को अंजाम दिया है।

हिजाब विवाद के बीच ओवैसी का ट्वीट, बोले- 'एक दिन एक हिजाबी बनेगी देश की PM'

नई दिल्ली. कर्नाटक में जारी हिजाब विवाद (Hijab Row) की आग पूरे देश में फैल चुकी है. इस मामले को लेकर जारी सियासी बयानबाजी और दलीलों के बीच AIMIM नेता असदुद्दीन ओवैसी (Asaduddin Owaisi) ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है.

हिजाबी बनेगी प्रधानमंत्री: ओवैसी

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने अपने हालिया ट्वीट में लिखा है कि 'इंशा' अल्लाह एक दिन एक हिजाबी प्रधानमंत्री बनेगी. ट्वीट किए गए वीडियो में ओवैसी कह रहे हैं, 'हम अपनी बेटियों को 'इंशा' अल्लाह, अगर वो फैसला करती है कि अब्बा-अम्मी मैं हिजाब पहनूंगी. तो अम्मा-अब्बा कहेंगे- बेटा पहन, तुझे कौन रोकता है हम देखेंगे. हिजाब, नकाब पहनेंगे कॉलेज भी जाएंगे, कलेक्टर भी बनेंगे, बिजनेस मैन, एसडीएम भी बनेंगे और एक दिन इस देश एक बच्ची हिजाब पहनकर प्रधानमंत्री बनेगी.

'संविधान देता है हिजाब का हक'

इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी ने हिजाब विवाद में पुट्टास्वामी फैसले का हवाला दिया था. औवेसी ने कहा था, 'भारत का संविधान अधिकार देता है कि आप चादर ओढ़े, नकाब ओढ़े या हिजाब ओढ़े... पुट्टास्वामी का जजमेंट आपको इस बात की इजाजत देता है. यह हमारी पहचान है. मैं सलाम करता हूं उस लड़की को जिसने उन लड़कों को जवाव दिया, डरने और घबराने को जरूरत नहीं है.' उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा था कि कोई भी मुस्लिम महिला बिना किसी डर के हिजाब पहन सकती है.

कैसे शुरू हुआ मामला ?

आपको बता दें कि इसी महीने की शुरुआत में कर्नाटक के उडुपी के एक कॉलेज में हिजाब पहनकर जाने वाली कुछ छात्राओं को प्रशासन ने रोका था इसके बाद अल्लाह हू अकबर का नारा लगाकर एक वायरल वीडियो के जरिए पूरे देश में मशहूर हुई बी कॉम सेकेंड इयर की छात्रा मुस्कान को मुस्लिम समाज की शेरनी जैसे संबोधन के साथ किसी ने उसे पांच लाख का इनाम देने की बात कही तो कर्नाटक में विपक्ष में बैठी जेडीएस ने भी उसके लिए काफी कुछ ऐलान किया था.

दिल्ली में शराब के ठेकों पर अचानक लंबी लाइनों में खड़े दिखे लोग, बुलानी पड़ी पुलिस, जानें क्या है मामला

नई दिल्ली.राजधानी में शराब की बिक्री बढ़ाने के लिए वेंडर (ठेकेदारों) की तरफ से 35 फीसदी तक की छूट दिए जाने पर शनिवार को शराब की दुकानों पर भारी भीड़ लग गई। विशेष ऑफर के बीच कुछ इलाकों में हालात इतने बिगड़ गए कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा। स्थानीय ब्रांड के साथ ही विदेशी शराब को भी छूट की श्रेणी में रखकर बिक्री की गई।

बता दें कि बीते साल 17 नवंबर को नई आबकारी नीति लागू की गई थी, जिसके बाद से 849 दुकानों में से अभी तक कुल 564 दुकानों का संचालन ही शुरू हो पाया है। नई आबकारी नीति के तहत वेंडरों को अपने स्तर पर शराब की बिक्री बढ़ाने के लिए छूट देने का प्रावधान है। बताया जा रहा है कि कुछ इलाकों की दुकानों की शराब की बिक्री बेहद सीमित थी, जबकि उनके पास स्टॉक काफी ज्यादा था।

ऐसे में ठेका संचालकों पर दबाव था कि वो बिक्री को बढ़ाने के लिए काम करें। स्टॉक ज्यादा होने, निर्धारित कोटा खत्म न होने और बिक्री बढ़ाने के दबाव के बीच शुक्रवार शाम को कुछ इलाकों में छूट दी गई। इसके बाद अचानक से उनकी बिक्री में उछाल आया। बिक्री का आंकड़ा बढ़ा तो शनिवार को कुछ अन्य शराब की दुकानों ने भी अपनी बिक्री को प्रभावित होने से बचाने के लिए छूट का ऑफर दे दिया।

साकेत, पीतमपुरा, सरोजिनी नगर के साथ ही बॉर्डर से सटे इलाकों में भी दोपहर तक छूट दी जाने लगी। इसके बाद राजधानी की काफी दुकानों पर ऑफर देने की प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई। इससे शराब खरीदने के लिए दुकानों के बाहर भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। कई जगह लंबी-लंबी लाइन लग गई। हालात इतने बिगड़े कि कुछ इलाकों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बुलाना पड़ा।

विदेशी ब्रांड पर अधिक, देशी पर कम

शराब ठेका संचालकों को विदेशी यानी आयातित ब्रांड पर सबसे ज्यादा मुनाफा होता है। महंगी शराब पर मुनाफा भी अच्छा खासा होता है। इसलिए उस पर छूट देने में कोई परेशानी नहीं होती है। इसलिए विदेशी मदिरा पर कुछ शराब की दुकानों पर 35 फीसदी तक की छूट दी गई। इसके अतिरिक्त स्वदेशी अंग्रेजी ब्रांड पर भी 20 से 27 फीसदी तक की छूट दी गई। इसके साथ ही देशी शराब पर भी 10 से 15 फीसदी तक का ऑफर दिया गया। अब हर तरह के ब्रांड पर छूट मिलने से सभी श्रेणी के लोग अपनी पसंद की शराब खरीदने के लिए उमड़ पड़े।

बिक्री बढ़ाने का दबाव

जानकार कहते हैं कि भले ही दिल्ली में नई आबकारी नीति लागू हो गई हो लेकिन अभी तक 285 दुकानें खुलनी बाकी हैं। इनमें से एयरपोर्ट पर अभी तक शराब की दुकानों का संचालन नहीं हो पाया है। जहां बड़ी बिक्री होती है। इसलिए राजधानी में शराब की बिक्री नई आबकारी नीति लागू होने से पहले की स्थिति के बराबर नहीं है, जिसको देखते हुए आबकारी विभाग के ऊपर दबाव है कि शराब की बिक्री का आंकड़ा बढ़ाया जाए।

इसलिए लंबे समय से दबाव था कि बिक्री को बढ़ाने के लिए वेंडर अपने स्तर पर ऑफर पेश करें, जिससे पुराने लक्ष्य को हासिल किया जा सके। विभाग से जुड़े सूत्र बताते हैं कि बीते वर्ष जनवरी से अगस्त 2021 तक बिक्री में छह फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई लेकिन सितंबर से दिसंबर 2021 के बीच 16 फीसदी की गिरावट देखी गई।

वेंडर के बीच प्रतिस्पर्धा

राजधानी में नई आबकारी के तहत दिल्ली के 272 वार्डों को 32 जोन में बांटकर लाइसेंस आवंटित किए गए हैं। इससे जोन वार अलग-अलग वेंडर को शराब की बिक्री का लाइसेंस मिला है।

हिजाब विवाद पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, देश के आंतरिक मुद्दों पर बाहरी बयानबाजी बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जो लोग भारत को अच्छी तरह से जानते हैं उन्हें इन वास्तविकताओं की उचित समझ होगी। उन्होंने कहा कर्नाटक में कुछ शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड से संबंधित मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

नई दिल्ली. भारत ने देश के शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड के मुद्दे पर कुछ देशों की बयानबाजी पर सख्त नाराजगी जताई है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि उसके आंतरिक मसलों पर किसी दूसरे देश की टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हिजाब विवाद पर अमेरिका और पाकिस्तान ने टिप्पणी की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जो लोग भारत को अच्छी तरह से जानते हैं, उन्हें इन वास्तविकताओं की उचित समझ होगी। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में कुछ शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड से संबंधित मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हमारा संवैधानिक ढांचा और तंत्र, साथ ही साथ हमारे लोकतांत्रिक लोकाचार और राजनीति, ऐसे संदर्भ हैं जिनमें मुद्दों पर विचार किया जाता है और उनका समाधान किया जाता है। हमारे आंतरिक मुद्दों पर टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'

कर्नाटक में शैक्षणिक संस्थानों में ड्रेस कोड के मुद्दे पर कुछ देशों की टिप्पणियों के बारे में मीडिया के पूछे जाने पर बागची ने यह बात कही। अमेरिका हिजाब पर पाबंदी को धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया था बता दें कि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता (आइआरएफ) के लिए अमेरिकी राजदूत रशद हुसैन ने शुक्रवार कहा था कि स्कूल में हिजाब पर प्रतिबंध लगाना धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। पाकिस्तान ने भी बुधवार को भारत के प्रभारी उच्चायुक्त को समन कर इस मुद्दे पर अपनी चिंता जताई थी।

कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब पर विवाद

गौरतलब है कि हिजाब का विवाद दिसंबर के अंत में कर्नाटक से शुरू हुआ। जब हिजाब में कुछ महिला छात्रों को कर्नाटक के उडुपी में एक सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कालेज में प्रवेश से वंचित कर दिया गया था। इसका विरोध करने के लिए कुछ हिंदू छात्र भगवा स्कार्फ पहन कर कालेज आए इसके बाद ही यह मामला और अधिक बढ़ गया। कर्नाटक के बाद से अब यह धीरे-धीरे देश के कई अन्य राज्यों में भी इसको लेकर प्रदर्शन तेज हो गए हैं।

Punjab Election: सीएम चन्नी पर केजरीवाल का निशाना, कहा- 'पंजाब में अवैध खनन की जांच होनी चाहिए'

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब विधान सभा के चुनाव प्रचार के लिए अमृतसर पहुंचे हैं. उन्होंने कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पंजाब में अवैध रेत खनन की जांच होनी चाहिए. बता दें कि केजरीवाल 18 फरवरी तक विभिन्न सीटों पर प्रचार करेंगे.

अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके केजरीवाल ने अवैध रेत खनन मामले में सीएम चरणजीत चन्नी को क्लीन चिट पर निशाना साधा है. मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि चन्नी साहब ने खुद जांच की. जब भगवंत मान सीएम बनेंगे तो बालू खनन की निष्पक्ष जांच कराएंगे. जब उनके रिश्तेदार ने कबूल किया है कि सारा पैसा चन्नी का है, तो ईडी उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं कर रहा है.

केजरीवाल ने आगे कहा कि पंजाब में कांग्रेस पार्टी सर्कस बन गई है. दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चन्नी साहब हारने वाले हैं. आम आदमी पार्टी उन्हें हराने वाली है. जब वो विधायक नहीं हो सकते तो वो कभी सीएम नहीं होंगे. उन्होंने अकाली दल पर निशाना

साधते हुए कहा कि 'अकाली दल द्वारा झूठ फैलाया जा रहा है जिस पर Election Commission ने एक्शन ले लिया है. हमने ऐसा कोई ऐलान नहीं किया है कि 10 साल पुरानी गाड़ियों को बंद किया जाएगा.'

सुनसान इलाके में बने पार्कों के चक्कर लगाता था पूर्व सैन्यकर्मी, दोस्त के साथ बैठी लड़की का किया यौन शोषण, 5 हजार लूटे

नई दिल्ली.हरियाणा सरकार के कुश्ती कोच और भारतीय सेना के पूर्व सैन्यकर्मी को द्वारका जिला पुलिस ने पार्क में छात्रा से यौन शोषण और अवैध वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी 38 वर्षीय राजेश कुमार पुलिसकर्मी बनकर पार्कों के पास चक्कर लगाता था। वारदात के एक सप्ताह बाद पुलिस ने नजफगढ़ निवासी राजेश को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि 28 जनवरी को द्वारका सेक्टर 23 के एक पार्क में दोस्त के साथ युवती बैठी हुई थी। उसी दौरान खाकी वर्दी पहने हुए एक

शख्स वहां आया उसने खुद को द्वारका सेक्टर-23 थाने का पुलिसकर्मी बताया उसने यहां पर दोनों के बैठने की वजह पूछते हुए उन्हें धमकाया उन्हें थाने ले जाने की धमकी देकर रुपये मांगे। विरोध करने पर उसने युवती के दोस्त को पीटा और उसे रुपये लाने भेज दिया।

इसके बाद आरोपी ने छात्रा को धमकाया कि थाने ले जाने पर सभी पुलिसकर्मी उसके साथ दुष्कर्म करेंगे। उस पर दबाव बनाकर आरोपी ने उसके साथ यौन शोषण किया। उनसे आरोपी ने 5 हजार रुपये भी लूटे थे। वारदात के बारे में पीड़िता ने 29 जनवरी को अपनी मां को बताया इसके बाद उसके पिता को पूरे मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने फरवरी माह के पहले सप्ताह में इस घटना को लेकर एफआईआर दर्ज की थी।

केस दर्ज होने के बाद पुलिस की 20 टीमों को मामले की छानबीन में लगाया गया। इस बीच कई सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया, जिसमें एक अर्टिगा कार दिखाई दी। जिसकी मदद से पुलिस ने तफ्तीश कर आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई और उसे धर दबोचा। इसके कब्जे से आर्टिगा कार, खाकी पेंट और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने के साथ ही उससे पूछताछ कर यह भी जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह उसका पहला अपराध था या अब से पहले वह ऐसी और कितनी घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

पहले भी पार्कों के बाहर लगाता था चक्कर

पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी के पास पहले दूसरी कार थी। करीब एक साल पहले दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल ने उसे संदिग्ध स्थिति में पार्क के बाहर घुमते हुए पकड़ा था। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह अक्सर लड़कियों को अपना शिकार बनाने के लिए सुनसान इलाके में बने पार्कों के बाहर घुमता था। एक साल पहले कांस्टेबल ने आरोपी के डीएल और गाड़ी की आरसी की फोटो खिंची थी। इन्हीं फोटो की मदद से आरोपी को पकड़ने में पुलिस को कामयाबी मिली।

अगले हफ्ते फिर करवट लेगा मौसम, चलेंगी तेज हवाएं, बूंदाबांदी के भी आसार; अगले तीन दिन बिगड़ेगी दिल्ली की हवा

नई दिल्ली.राजधानी दिल्ली में 19 फरवरी को तेज हवाएं चलेंगी। आंधी-तूफान व बूंदाबांदी पड़ने की भी संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक 13 से 16 फरवरी तक धूप निकलेगी दिनभर मौसम साफ रहेगा। जिससे दिन में तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। इसके अलावा 17 फरवरी को बादल छाए रहेंगे शनिवार को अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर आर्द्रता 95 फीसदी रही।

वहीं, जाफरपुर में सबसे कम अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिन मौसम साफ रहेगा। 13 फरवरी से 16 फरवरी तक अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8 से 9 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। फिलहाल अगले कुछ दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक 200 से अधिक खराब श्रेणी में रहने के आसार हैं।

अगले तीन दिनों में बिगड़ेगी दिल्ली की हवा

राजधानी में अगले तीन दिन हवा बिगड़ेगी। 13 से 15 फरवरी को दिल्ली में हवा की गति कम होने के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक धीरे-धीरे मध्यम के खराब श्रेणी में जाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी सफर के मुताबिक शनिवार को हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में 191 दर्ज गई। हवा में प्रदूषक तत्वों की परत की ऊंचाई करीब 1.5 किमी रही। जिससे दिनभर प्रदूषकों का वेंटिलेशन बना रहा। वहीं, पीएम 10 मध्यम श्रेणी में 171 और पीएम 2.5 मध्यम श्रेणी में 78 दर्ज किया गया।

13 फरवरी को एक्यूआई खराब श्रेणी में रहने के आसार हैं। वहीं, पीएम 10 मध्यम श्रेणी में 205 तक और पीएम 2.5 खराब श्रेणी में 78 तक रहने के आसार बनें हुए हैं। शनिवार को लगातार तीसरे एक्यूआई मध्यम श्रेणी में 200 से कम रहा। बता दें कि 10 फरवरी को एक्यूआई 172 था। 11 फरवरी को 184 रहा था। पिछले दिनों हुई बारिश व हवाएं चलने से वातावरण में प्रदूषण तत्व कम थे। इस बीच दिनभर आसमान भी साफ रहा और तेज धूप निकली।

बेटी की शादी में पिता ने छपवाया अनोखा कार्ड, हर कोई कर रहा है तारीफ

नई दिल्ली. शादी हर किसी के लिए बेहद खास मौका होता है. जिस घर में शादी होनी होती है वहां कई दिन पहले से तैयारियां शुरू हो जाती हैं. शादी के दिन को खास बनाने के लिए दूल्हा-दुल्हन के घरवाले कोई कसर नहीं छोड़ते. शादी में लोग रिश्तेदारों और दोस्तों को बुलाते हैं, जिसके लिए कार्ड छपवा कर भेजा जाता है. लेकिन बिहार के एक शख्स ने शादी के कार्ड को अनोखे अंदाज में छपवाया है. उन्होंने कार्ड पर एक अच्छा मैसेज छपवाया है, जिसकी हर कोई तारीफ कर रहा है.

कार्ड पर छपवाया है दहेज न लेने का मैसेज

हमारी सहयोगी वेबसाइट डीएनए में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के भोला यादव की बेटी की शादी हो रही है. उन्होंने बताया कि उनकी पहली बेटी की शादी हो रही है. वो मेहमानों को फोन करके निमंत्रण भेज रहे हैं और जानकारी दे रहे हैं कि शादी दहेज मुक्त है. वो इस कुप्रथा में विश्वास नहीं रखते. उनका मानना है कि ये समाज की एक बुराई है जिसे हम सबको मिलकर दूर करना है.

शराब पीने वालों की शादी में नहीं होगी एंट्री

बता दें कि भोला एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं और उनकी बेटी की शादी 16 फरवरी को होने वाली है. उन्होंने शादी के कार्ड पर दहेज मुक्ति के संदेश के साथ-साथ शराब और हथियार को लेकर भी अपील की. उन्होंने मेहमानों से अपील की कि वे शराब पीकर और हथियार लेकर शादी समारोह में न आएं. शराब पीकर या हथियार लेकर आने वाले मेहमानों को पंडाल में घुसने नहीं दिया जाएगा.

सीएम नीतीश के शराबबंदी अभियान प्रभावित होकर उठाया कदम

भोला यादव बताते हैं कि वो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार के शराबबंदी अभियान से काफी प्रभावित हुए हैं. इसी अभियान से उन्हें ये प्रेरणा मिली है. वो शादी समारोह या अन्य पार्टियों में शराब पीकर जाना गलत मानते हैं. गया उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने कहा कि शादी समारोह में इस तरह का संदेश कार्ड पर छपवाकर लोगों को देना सराहनीय पहल है. समाज के लिए बहुत बड़ा संदेश है. बहुत से लोग भोला यादव के छपवाए कार्ड की तारीफ कर रहे हैं.

मौनी रॉय ने पति सूरज नांबियार को विश किया वैलेंटाइन डे, शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों मीडियो में खूब सुर्खियों बटोर रही हैं। पहले अपनी शादी फिर हनीमून और अब वैलेंटाइन डे को लेकर। शादी के बाद मौनी और सूरज नांबियार अपना पहला वैलेंटाइन डे मना रहे हैं। इस मौके पर मौनी ने पति सूरज को सोशल मीडिया पर स्पेशल नोट लिख वैलेंटाइन डे विश किया और अपनी कुछ रोमांटिक फोटोज भी शेयर की। न्यूली वेड कपल की ये तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही है। मौनी रॉय ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर फोटोज की एक सीरीज शेयर की है। जिनमें वह सूरज नांबियार के साथ क्वालिटी टाइम बिताते दिख रही हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मौनी ने कैप्शन में लिखा, आपके साथ हर दिन कितना मजेदार होता है...हैप्पी लव डे बेबी। तस्वीरों में मौनी के कई अलग-अलग अंदाज देखने को मिल रहे हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की ड्रेस पहने सूरज संग पेड़ो के बीच बैठी सनसेट एंजॉय करती नजर आ रही है तो एक तस्वीर में दोनो रोमांटिक होते भी दिखे। हाल ही में मौनी और सूरज हनीमून से वापस आए लौटे हैं। दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी ने स्पॉट किया था और दोनों ने कैमरे के लिए खूब सारे पोज भी दिए। एयरपोर्ट पर जहां सूरज व्हाइट टी शर्ट, ओपन ब्लैक लेदर जैकेट और ब्लू जींस में नजर आए थे तो वहीं इस दौरान मौनी रेड व ब्लैक ट्रैकसूट में गॉगल्स और ओपन हेयर्स के साथ गजब की स्टाइलिश नजर आ रही थीं। हाथो में हाथ डाले एयरपोर्ट पर आते हुए कपल की केमिस्ट्री देखते ही बन रही थी। आपको बता दें कि मौनी और सूरज हनीमून के लिए कश्मीर के गुलमर्ग गए थे। दोनों की हनीमून की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई थी। जिनमें कुछ में मौनी बर्फ से ढकी पहाड़ियों के बीच स्नो फॉल एंजॉय करती नजर आईं थी तो कुछ में गुलमर्ग की हसीन वीदियो में सूरज संग घूमती दिखी थी। मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने इसी साल 27 जनवरी को गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। दोनों ने मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों से शादी की थी।

बिपाशा बसु ने करण सिंह ग्रोवर के लिए लिखा रोमांटिक पोस्ट

कहा- 'तुमसे मिलकर ही जाना सच्चा प्यार'

एक्ट्रेस बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड के लवी डवी कपल्स में से एक हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों अपनी फोटोज और वीडियो शेयर कर फैंस को अपनी क्यूट केमिस्ट्री की झलकियो से रूबरू कराते रहते हैं और आज तो वैलेंटाइन डे, ऐसे में वे भला अपने रिश्ते को कैसे एडमायर ना करें। वैलेंटाइन डे पर बिपाशा ने अपने लाइफ पार्टनर करण के लिए एक दिल छू लेने वाला पोस्ट लिखा है। बिपाशा बसु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी और करण की एक रोमांटिक फोटो शेयर कर करण को वी डे विश किया। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, %वह प्यार है। जब तक मैं करण से नहीं मिली थी, तब तक मुझे सच्चा प्यार नहीं पता था। प्यार आपको हंसाता है। प्यार आपको खुश करता है। प्यार आपको संतुष्ट रखता है। प्यार आपको मजबूत बनाता है। प्यार आपको प्रेरित करता है। प्रेम आपकी रक्षा करता है। प्यार आपका सम्मान करता है। प्यार तुम पर गर्व है। प्यार आपको जज नहीं करता। प्यार आपको ग्लो करवाता है। प्यार आपकी हर भावना का ख्याल रखता है। प्यार आपका सबसे अच्छा दोस्त होता है। प्यार हर मुश्किल को आसान बना देता है। मैं आगे और आगे जा सकती हूं। काश सभी को अपना एक सच्चा प्यार मिले। सभी को और मेरे प्यार को हैप्पी वैलेंटाइन्स डे। करण सिंह और बिपाशा बसु जल्द ही द कपिल शर्मा शो में नजर आने वाले हैं। दोनो को वैलेंटाइन वीक स्पेशल में कपिल ने शो पर बुलाया है। शो का प्रोमो बिपाशा ने अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया है। जिसमें दोनो कपिल और अर्चना पूरण सिंह संग खूब मस्ती मजाक करते और शादी के साइड इफेक्ट्स बताते हुए नजर आ रहे हैं।

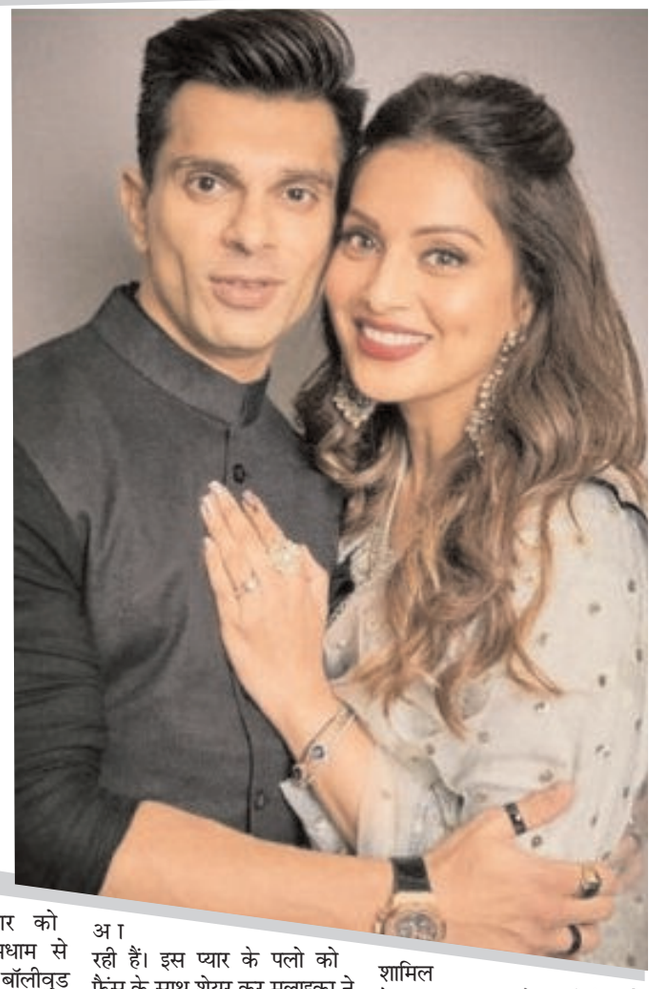

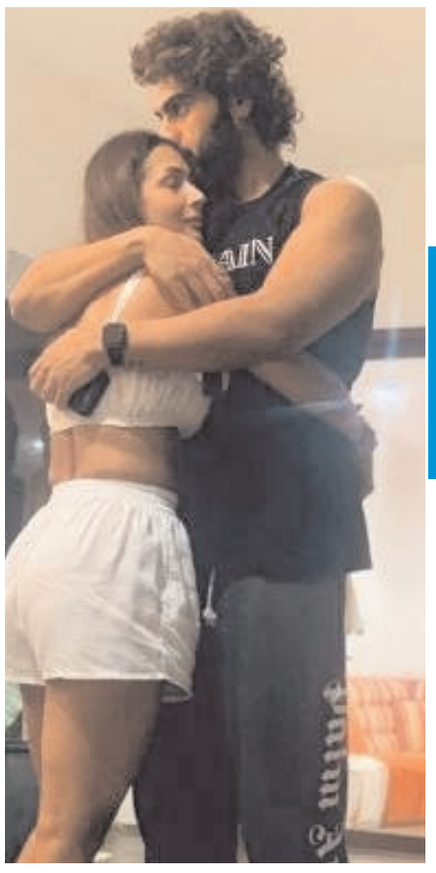

वैलेंटाइन डे पर बाहों में बाहें डालकर रोमांस करते दिखा मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर

दुनिया भर में सोमवार को वैलेंटाइन डे काफी धूमधाम से मनाया जा रहा है। ऐसे में बॉलीवुड सेलेब्स अपने-अपने पार्टनर्स के साथ तस्वीरें शेयर कर फैंस को वैलेंटाइन डे विश कर रहे हैं। इसी बीच अपनी पर्सनल लाइफ के अ।
रही हैं। इस प्यार के पलो को फैंस के साथ शेयर कर मलाइका ने लिखा, मेरा और एक हार्ट का इमोजी भी शेयर किया है। मलाइका और अर्जुन की इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब पसंद शामिल
हैं। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वो जल्द ही मोहित सूरी के निर्देशन में बनी चलते चर्चा में रहते वाले अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा ने वैलेंटाइन डे के मौके पर एक रोमांटिक तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका जबरदस्त लव बॉन्ड देखने को मिल रहा है। इस तस्वीर को मलाइका अरोड़ा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस रोमांटिक तस्वीर में देखा जा सकता है कि दोनों एक दूसरे को हग कर रहे हैं, जबकि अर्जुन कपूर अपने लव लेडी के फॉरहैड पर किस करते हुए नजर किया जा रहा है। तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किए हुए कुछ ही मिनट हुए लेकिन अब तक कई लाखों लोग फोटो को लाइक कर चुके हैं और तस्वीर पर कमेंट कर अपना प्यार लूटा रहे हैं। वहीं, शनिवार को अर्जुन कपूर ने वैलेंटाइन डे के दिन फैंस को फिल्म निर्माता इम्तियाज अली द्वारा निर्मित फिल्मों को देखने की सलाह दी थी। जिसमें तमाशा, जब बी मेट, लव आज कल, रॉकस्टार, सोचा ना था जैसी रोमांटिक फिल्म फिल्म एक विलेन रिटर्न्स 2 में नजर आने वालें हैं। इस फिल्म में उनके साथ जॉन अब्राहम, तारा सुतारिया और दिशा पाटनी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। एक विलेन रिटर्न्स 2 साल 2014 में आई सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रदधा कपूर, रितेश देशमुख द्वारा अभिनीत फिल्म एक विलेन का सीक्वल है। इसके अलावा वो विशाल भारद्वाज की फिल्म कुत्ते में मुख्य पुलिस कॉन्स्टेबल का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगे।

राखी सावंत ने कंगना रनोट को किया चैलेंज

कहा- 'दम है तो एक साल 'लॉक अप' चलाकर दिखाओ'

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट जल्द डिजिटल डेब्यू करने वाली हैं। वह रियलिटी शो लॉक अप को लेकर आ रही हैं। इस शो में 16 कंटेस्टेंट्स हिस्सा लेने वाले हैं। लॉक अप एकता कपूर के ओटीटी प्लेटफॉर्म एएलटी बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर रिलीज किया जाएगा। बीते दिनों एकता कूपर और कंगना रनोट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस रखी। इस दौरान अभिनेत्री ने सलमान खान के शो बिग बॉस को लेकर भी बड़ी बात कही। कंगना रनोट ने कहा था, यह कोई आपके बड़े भाई का घर नहीं है, यह मेरी जेल है। मेरे पास हर कंटेस्टेंट की फाइलें और उनकी सच्चाई होगी। सलमान खान को लेकर कही इस बात पर अब राखी सावंत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने कंगना रनोट को चैलेंज किया है कि अगर उनमें दम है तो वह अपने लॉक अप शो को एक साल चलाकर दिखा दें। यह बात राखी सावंत ने हाल ही में मीडिया से बातचीत करते हुए की है। उनकी बातचीत का वीडियो बिग बॉस खबरी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में राखी सावंत कहती हैं, मुझे बहुत बुरा लगा जब कंगना ने यह कहा कि यह कोई तुम्हारे भाई का घर नहीं है।

अक्षय कुमार ने पुलवामा में शहीद हुए जवानों को याद कर दी श्रद्धांजलि

14 फरवरी, 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आंतकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। सोमवार को हमारे देश के जवानों की शहादत को 3 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट शेयर कर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, 'पुलवामा में आज ही के दिन अपनी जान गंवाने वाले हमारे सभी वीर जावनों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। हम उनके और उनके परिवारों द्वारा दिए इस सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।' वहीं, सोशल मीडिया पर फैंस भी पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों के बलिदान को याद करते हुए पोस्ट शेयर कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें, 14 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन ने पुलवामा में आसीआरपीएफ के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस दर्दनाक घटना में देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। वहीं बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो साल 2022 में बैक टू बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। अभिनेता जल्द ही चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही अभिनेत्री मानुषी छिल्लर और रियल लाइफ हीरो सोनू सूद भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अभिनेता माइथोलॉजी फिल्म 'राम सेतु' में आर्कियलॉजिस्ट का किरदार में नजर आने वाले हैं, जो फिल्म में गुफाओं में से राम सेतु की लोकेशन तक पहुंचते हुए दिखाया जाएगा। साथ ही 'बच्चन पांडे', 'रक्षा बंधन' के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

शादी की सालगिरह पर पति राज कौशल को याद कर भावुक हुई मंदिरा बेदी

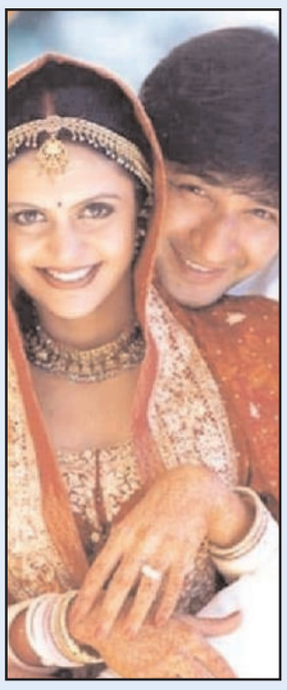

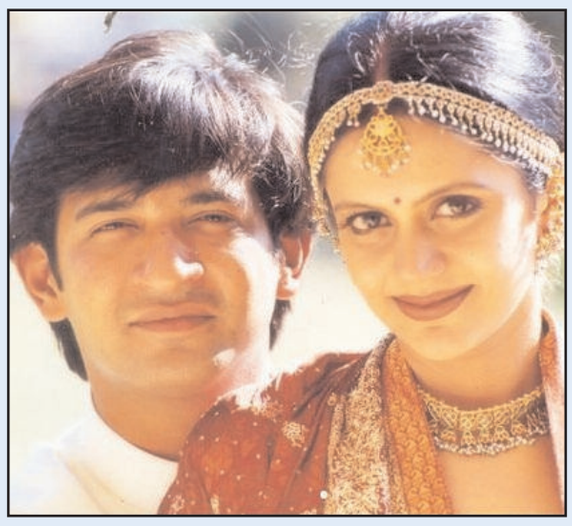

मजबूत और सफल महिला के रूप में पहचान बना चुकीं अभिनेत्री मंदिरा बेदी और उनके दिवंगत पति राज कौशल की आज शादी की सालगिरह है।

इस खास मौके पर मंदिरा बेदी काफी भावुक नजर आई क्योकि इस खास दिन का जश्न मनाने के लिए उनके पति उनके साथ नहीं हैं। मंदिरा ने इस खास मौके पर अपनी शादी की दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा-%आज हमारी शादी की 23वीं सालगिरह होती।% इसके साथ उन्होंने हैशटैग में #वैलेंटाइन्स डे लिखा है और टूटे हुए दिल वाली इमोजी भी बनाई है।

उल्लेखनीय है मंदिरा बेदी ने दिवंगत अभिनेता/निर्देशक व निर्माता राज कौशल से वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी 1999 को प्रेम विवाह किया था। शादी के लम्बे समय बाद मंदिरा और राज 27 जनवरी 2011 को बेटे वीर के माता-पिता बने।इसके बाद राज कौशल और मंदिरा बेदी ने 28 जुलाई 2020 को बेटी तारा को गोद लिया था। 30 जून, 2021 को राज कौशल के निधन के बाद से मंदिरा बिलकुल टूट-सी गई थी । राज कौशल की अंत्येष्टि के मौके पर उनके परिधान की वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा था, लेकिन ऐसे मुश्किल दौर में भी मंदिरा ने एक मजबूत महिला होने का परिचय देते हुए खुद अपने पति की अन्तेष्टि की। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पति की खुद अंत्येष्टि करने के अभिनेत्री के फैसले को लेकर भी रोष प्रकट किया, वहीं कुछ लोग उनके समर्थन में भी आये थे । राज कौशल के निधन के बाद से मंदिरा काफी समय तक सदमे में रहीं, लेकिन अब धीरे-धीरे उनकी लाइफ पटरी पर लौट रही है।

अनिल कपूर ने शेयर की अपने स्कूल के दिनों की थ्रोबैक तस्वीर, फैंस से कहा- 'पहचान सकों, तो पहचानों'

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर अपने लुक और स्टाइल को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। वो अक्सर अपनी पुरानी फोटोज वीडियो फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। इसी बीच उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उन्हें पहचानना बहुत मुश्किल हो रहा है। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम

पर अपने स्कूलों के दिनों की तस्वीर साझा की है। जिसमें अनिल कपूर को पहचानना बेहद मुश्किल है। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, हो सके तो मुझे पहचानों। अनिल कपूर की तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म के 43 साल पूरे होने पर खुशी जाहिर करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की थी, जिसमें वो फिल्म के अपने को-स्टार के साथ शूट को फिल्माते दिख रहे हैं। तस्वीरों को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने लिखा, %कभी कभी खुद को याद दिलाना पडता है कि जर्नी कहां से शुरू हुई थी, ताकि पैर हमेशा जीमन पर रहे और हौसले आसमान को छूते रहे हैं। अनिल कपूर ने भगवान का धन्यवाद करते हुए आगे लिखा, मेरी पहली फिल्म हमारे तुम्हारें को 43 साल हो गए। दर्शकों का भी धन्यवाद। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही राज मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म जुग जुग जियो में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं, जबकि अनिल कपूर और नीतू कपूर वरुण के माता पिता के किरदार में नजर आने वाले हैं।

पति रितेश से अलग हुईं राखी सावंत

ड्रामा क्वीन राखी सावंत पिछले कुछ समय से अपनी मैरिड लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं । बिग बॉस 15 में राखी और उनके पति रितेश की कमेस्ट्री हर किसी ने देखी और इस शो में दोनों ने काफी सुर्खियां भी बटोरीं। वहीं अब इस जोड़ी ने अलग होने का फैसला लिया है। इसकी जानकारी खुद राखी सावंत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर दी है।

राखी सावंत ने लिखा- प्रिय दोस्तों और शुभ चिंतकों, सिर्फ आपको सूचित करना है कि रितेश और मैंने अलग होने का फैसला कर लिया है। बिग बॉस शो के बाद बहुत कुछ हुआ। जिनके बारे में मैं अवगत नहीं थी। ये बातें मेरे कंट्रोल से बाहर की थी। हमने अपने मनमुटाव को सुलझाने की बहुत कोशिश की। साथ ही एक साथ होकर स्थिति संभालने की कोशिश की। लेकिन मुझे लगता है कि हमारे लिए यही सही है कि हम स्वेच्छा से अलग हो जाएं और अपनी जिंदगी अलग-अलग जीएं।मैं बहुत टूटी हुई और दुखी हूँ। क्योंकि यह हमारे वैलेंटाइन्स डे से पहले ही हो गया। लेकिन फैसला लेना ही था।

निर्माता बनाना चाहती है आलिया भट्ट

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्म निर्माता बनना चाहती है। आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के प्रमोशन्स में व्यस्त हैं। आलिया भट्ट ने

बताया है कि वह वह नए टैलेंट को सपोर्ट करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा फिल्म में एक्टिंग नहीं हो सकती।

आलिया ने कहा, यदि मैं एक निर्माता बनूंगी, तो मुझे प्रॉफिट का एक हिस्सा मिलेगा, जो मेरे लिए काफी बड़ी बात होगी। मेरे लिए ये केवल पैसा नहीं है। ये उस बारे में है, जब मैं करीब 10 सालों में एक निश्चित मुकाम पर पहुंच जाउंगी। जहां मुझे लगता है कि मैं नए टैलेंट को सपोर्ट करने के लिए एक अच्छी पोजीशन पर होउंगी।

आलिया ने कहा, मुझे एहसास हुआ कि मैं उन लोगों में से एक क्यों नहीं हो सकती हूं, जो एक क्रिएटिव पोजीशन प्रोसेस का हिस्सा हैं। क्रिएटिव रूप से एक प्रोजेक्ट को एक साथ रखना, डायरेक्टर या राइटर का हाथ पकड़ना होता है। हमेशा फिल्म में एक्टिंग नहीं हो सकती है, यह कुछ ऐसा है जो मैं करना चाहती हूं। यदि आप मुझसे अगले 10 साल की प्लानिंग के बारे में पूछते हैं, तो उसमें मेरा प्रोडक्शन हाउस बन रहा है।

जिला फुटबॉल लीग के दूसरे दिन हुए पांच मुकाबले

आनंद राय

बहराइच। डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में इंदिरा स्टेडियम में खेली जा रही डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल लीग के दूसरे दिन पांच संघर्षपूर्ण मुकाबले खेले गए और पांचो ही मुकाबलों में खिलाड़ियों का संघर्ष देखा गया, आज विशिष्ट अतिथि के रूप में उप क्रीड़ाधिकारी अभिषेक धानुक व अनुपमा धानुक मौजूद रहे ,पहला मुकाबला एसआरके क्लब व वीर क्लब के मध्य खेला गया जिसमें हिंद क्लब ने यह मुकाबला 1-0 से जीत लिया दूसरा मुकाबला शिवा क्लब व वीर क्लब के मध्य खेला गया जिसमें शिवा क्लब ने मुकाबले को 1-0 से जीत लिया, तीसरा मुकाबला सीनियर वर्ग में वीर क्लब व शिवा क्लब के मध्य खेला गया जिसमें यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर ड्रा रहा, चौथा मुकाबला हिंद क्लब व एसआरके क्लब के मध्य खेला गया जिसमे यह मुकाबला भी 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ,पांचवा मुकाबला जूनियर वर्ग में हिन्द क्लब व वीर क्लब के मध्य खेला गया ,जिसमें हिन्द क्लब ने यह मुकाबला 2-0 से जीत लिया, मैच में निर्णायक की भूमिका में युवराज व शास्वत सिंह मौजूद रहे ,स्कोरर की भूमिका में विजयशंकर रहे ,इस दौरान सुनील राय,पवन जायसवाल , मुन्ना तिवारी ,सचिव अटल सिंह सहित सैकड़ों ख़िलाडी दर्शक मौजुद रहे।

अब यूपी की रोडवेज बसों में सफर होगा और सुरक्षित कोलिजन अवाइडेंस सिस्टम से हादसों पर लगेगा ब्रेक

कुलदीप त्यागी

लखनऊ । रोडवेज बसों में यात्रियों का सफर और सुरक्षित होगा। इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। परिवहन निगम प्रबंधन बहुत जल्द बसों में 'कोलिजन अवाइडेंस सिस्टम' लगाने जा रहा है। यह प्रणाली हादसों के पहले न केवल चालकों को सचेत करेगी बल्कि दुर्घटना की जद में आने से पहले ही बस को रोक देगी। शासन ने हादसों में कमी लाने के लिए लंबे समय से चल रही इस कवायद पर तत्काल अमल करने को कहा है। इस 'डिवाइस' को खरीदने के लिए 'सड़क सुरक्षा निधि से पैसा' दिया जाएगा। बीते दिनों मुख्य सचिव के साथ शासन में हुई बैठक के बाद इस पर अंतिम निर्णय लिया गया है। चुनाव आचार संहिता हटते ही रोडवेज बसों में इस प्रणाली को लगाने का काम शुरू हो जाएगा। इसी वित्तीय वर्ष में इसे लगाया जाना है। द्रुतगामी लंबी दूरी की 680 बसों में लगेगी यह डिवाइसः परिवहन निगम प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रधान प्रबंधक अनग मिश्र ने बताया कि इससे हादसों में कमी आएगी। यह तकनीकी काफी हद तक कारगर साबित होगी। इसे लेकर लंबी दूरी की बसों को चिह्नित किया गया है। प्रथम चरण में रोडवेज बेड़े की 680 बसों में कोलिजन अवाइडेंस सिस्टम लगाया जाएगा। प्रयोग सफल होने के बाद रोडवेज बसों की पूरी फ्लीट में धीरे-धीरे इस डिवाइस को लगाया जाएगा। कुछ इस तरह काम करेगी डिवाइसः क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस के मुताबिक इस डिवाइस की खूबी यह होगी कि जैसे ही सामने से कोई आब्जेक्ट अथवा वाहन इसकी जद में आने वाला है। यह बस की स्पीड को जज करेगा। परखेगा कि इतनी गति पर जब बस में ब्रेक लगाई जाएगी तो वह आब्जेक्ट से कितनी दूरी पर रुकेगा। जैसे ही वाहन हादसे की दूरी पर आएगा। अंतराल तय होते ही चालक को सचेत करने के लिए पहले बीप...बीप की आवाज आएगी जो धीरे-धीरे और तेज होती जाएगी। चालक ने तत्काल सतर्कता नहीं बरती तो चंद पलों के बाद बस में स्वतः ही ब्रेक लगना शुरू हो जाएगा और टकराने से पहले की बस रुक जाएगी। यह डिवाइस ब्रेक से जुड़ी रहेगी। यात्रियों का सफर और सुरक्षित करने की दिशा में शासन और परिवहन निगम प्रबंधन गंभीर है। चुनाव बाद इस महत्वपूर्ण तकनीकी कोलिजन अवाइडेंस सिस्टम का उपयोग रोडवेज की तय बसों में किया जाएगा।

मतदान करनें वाली महिलाओं को निः शुल्क परामर्शः डा. सुजाता

संवाददाता

हमीरपुर। संजय मैटरनिटी सेन्टर द्वारा उन महिलाओं को जिन्होनें चुनाव में अपना बहुमूल्य मतदान दिया हैं। उनके लिऐ तीन दिवसीय 14-16 फ़रवरी तक निःशुल्क परामर्श दिया जायेगा। इसके लिए मरीज मतदाताओं को अपनी उंगली पर लगी अमिट स्याही दिखानी होगी। डॉ0 सुजाता संजय ने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक मतदान का प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए ही उन्होंने यह पहल की है। इन्होने वर्ष 2017 , 2019 और अब 2022 मतदान में भ्मरीजों के लिया निशुल्क परामर्श व 20 प्रतिशत की छूट ऑपरेशन और दवाइओ पर दी जायेगी। मतदाता किसी को वोट करें यह उनका विषय नहीं है, लेकिन मतदान जरूर करें सिर्फ यही जागरुकता फैलाना उनका उद्देश्य है। मतदान हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हमें इसे पूरा करना होगा। अपनी ताकत को हमें पहचानना होगा। यदि हम मतदान नहीं करते हैं तो हम सरकार की कमियों को भी बताने का अधिकार खो देते हैं। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे राष्ट्र के विकास में अपना योगदान अवश्य दें और अन्य को भी जागरूक करें कि वह भी मतदान करें। महिलाएं समाज की अभिन्न कडी है! देश के विकास में पुरूषों के समान बराबर की भागीदारी का निर्वहन कर रही हैं! इसलिए महिलाओं को लोकतंत्र में भी आगे आना होगा क्योंकि लोकतंत्र को मजबूत करनें में महिलाओं की अहम भूमिका है। यह तभी सम्भव है जब सभी महिलाएं अपनें मतों का प्रयोग करें। डॉ0 सुजाता संजय ने बताया कि इस राज्य को चलाने में और बढ़ाने में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका रही है तथा इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए हमारी सेवा संस्था द्वारा महिलाओं को मतदान देने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए यह मूहिम चलायी गयी है। मतदान हमारा अधिकार है। इसे हमें सोच-समझकर देना चाहिए क्योंकि मतदान से ही एक कर्मष्ठ एवं झुझारू नेता चुना जा सकता है जो हमारे

मोबाइल दुकानदार से मारपीट करने के दो आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

रवि शंकर तिवारी

गोंडा। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए थे।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना कोतवाली नगर पुलिस ने बलवा व मारपीट करने के दो आरोपी अभियुक्तों 01 नसरूद्दीन रजा उर्फ उल्लू, 02. इमरान को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्तों ने आपसी कहासुनी के चलते अपने साथी अभियुक्तो के साथ मिलकर वादी अशोक कुमार वर्मा को तिरंगा मार्केट स्थित उनकी मोबाइल की दुकान पर बलवा करते हुए मारा-पीटा था। जिसका वीडियों वायरल भी हुआ था। जिसके सम्बन्ध में वादी अशोक कुमार वर्मा द्वारा थाना कोतवाली नगर में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। अभियुक्तों के विरूद्ध थाना कोतवाली नगर में विधिक कार्यवाही की गयी।

मतदाता जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन की अभिनव पहल

वैलेंटाइन डे के अवसर पर ग्राम पंचायतों में आयोजित होगी एसएमसी की बैठकें

विशाल

गोंडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदाता जागरूकता को लेकर जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल की गई है। मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के अवसर आई लव डेमोक्रेसी की थीम पर जनपद की सभी 1214 ग्राम पंचायतों में स्कूल प्रबंधन समिति एसएमसी की बैठकें आयोजित कराई जाएंगीं। इसके साथ ही समस्त सरकारी कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायतों में एसएमसी की बैठकें आयोजित करने के संबंध में ग्राम प्रधानों एवं प्रधानाध्यापकों को आदेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने बैठक में समिति के सभी सदस्यों सहित बच्चों के अभिभावकों को भी बुलाया जाएगा तथा उनसे मतदान के दिन अनिवार्य रूप स्वयं और दूसरों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करने की अपील की जाएगी।उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में एसएमसी की बैठकों के आयोजन के अलावा सभी सरकारी व प्राइवेट इंटर कॉलेज व डिग्री कालेजों में भी मतदाता जागरूकता की बैठक आयोजित होगी तथा छात्र-छात्राओं को स्वयं मतदान करने व अभिभावकों व अपने गांव के लोगों को मतदान जरूर करने के बारे में बताया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी श्री त्रिपाठी ने बताया कि बैठकों में ''मैं भारत का की नागरिक हूँ तथा भारत के संविधान द्वारा स्थापित लोकतंत्र से प्रेम करता /करती हूँ। मैं यह शपथ लेता लेती हूँ कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मैं स्वयं मतदान करूँगा/करूँगी और अपने परिवार और परिचय के सभी लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी'' की शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि लोकतंत्र के महापर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए

लोहिया वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने सपा प्रत्याशी के लिए किया जनसंपर्क

संवाददाता

जरवल बहराइच । 288 विधानसभा क्षेत्र कैसरगंज में समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिला सचिव डॉ अनिल यादव ने अपने समर्थकों के साथ विधानसभा क्षेत्र कैसरगंज के विभिन्न ग्राम पंचायतों में अपने समाजवादी प्रत्याशी आनंद यादव जी को जिताने के लिए लोगों से मांगे ओट ।राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के द्वारा दिए गए घोषणापत्र को जन जन तक पहुंचाते हुए व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी द्वारा चलाई गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों को बताया तथा गांव में जाकर युवाओं महिलाओं बुजुर्गों को बताई उपलब्धियां। और प्रदेश में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए किया आग्रह इस दौरान नवमी लाल सुभाष यादव बबलू यादव परसराम चौहान रमेश नेता रामू यादव मुलायम यादव अनुज यादव गुन्नू यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रत्याशियों को व्यय सीमा से अधिक खर्च करने की अनुमति नहीं

बहराइच। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, सकुशल, निर्विघ्न एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों, अभिकर्ताओं तथा राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को विभिन्न मदों में किये जाने वाले व्यय एवं लेखांकन प्रक्रिया/निर्वाचन व्यय से सम्बन्धित विधिक प्राविधानों और उनका पालन करने की असफलता के परिणामों के सम्बन्ध में शनिवार को विकास भवन सभागार में बैठक/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति द्वारा मौजूद लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रत्याशियों, अभिकर्ताओं तथा राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को व्यय लेखा, व्यय लेखा पंजिकाओं को भरने एवं रख-रखाव, व्यय लेखा के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों, व्यय लेखा की जॉच इत्यादि के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ व्यय अनुवीक्षण पुस्तिका व संसुगत नियमों से सम्बन्धित अभिलेखों का भी वितरण किया गया। प्रत्याशियों व निर्वाचन अभिकर्ताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा क्षेत्र के लिए निर्धारित की गयी अधिकतम व्यय सीमा की जानकारी देते हुए कहा गया कि किसी भी प्रत्याशी को निर्धारित व्यय सीमा रू. 40 लाख से अधिक व्यय करने की अनुमति नहीं होगी।

सर्वसमाज के सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार : बकाउल्लाह

संवाददाता

कैसरगंज बहराइच। विधानसभा कैसरगंज से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी बकाउल्लाह ने जरवल क्षेत्र के विभिन्न गाँवो का भर्मण कर मांगा जनसमर्थन। बसपा प्रत्याशी ने अपने कार्यकर्ताओं से गांव गांव जाकर अपने समर्थन में 27 फरवरी अपने बूथ पर पहुंच कर अपने विधानसभा में हाथी को मजबूत करने की अपील कर रहे हैं विश्वसनीय सूत्रों की माने तो विधानसभा कैसरगंज में पूर्व में सपा प्रत्याशी रहे मसूद आलम का टिकट कटने के बाद बसपा कैसरगंज कार्यकर्ताओं में भी एक नई ऊर्जा उत्पन्न हो गई है । और बूथ स्तर पर हर बूथ को जिताने के लिए एक-एक कार्यकर्ता क्षेत्र में संघर्ष करता हुआ दिखाई दे रहा है मीडिया को अवगत कराते हुए बसपा प्रत्याशी ने कहा अगर जनता ने मुझे सहयोग और अपना प्यार दिया तो कैसरगंज विधानसभा में हर मुमकिन विकास शिक्षा,स्वास्थ,तथा एंप्लॉयमेंट, जैसी समस्याओं का निस्तारण करने के लिए हम प्रतिबद्ध रहेंगे।इसी क्रम में आज बसपा प्रत्याशी बकाउल्लाह ने ग्राम हसनापुर धवारिया,धनसरी गोंदौर,जोतौरा में पहुंच कर कार्यकर्ताओं से किया संवाद,इस अवसर पर तमाम बसपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं के मनाया प्रदेश अध्यक्ष का जन्म दिन

संवाददाता

गोंडा। धानेपुर चुनावी सरगर्मी के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं में प्रदेश अध्यक्ष स्वतन्त्र देव सिंह का जन्म दिन धूम धाम से मनाया, जन्म दिवस मनाये जाने का यह कार्यक्रम पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम उदार वर्मा के सोहिला स्थित प्लाट पर आयोजित किया गया जिसमे वर्तमान विधायक व भाजपा प्रत्याशी विनय कुमार द्विवेदी सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विनय कुमार द्विवेदी ने जन्म दिन का केक काट कर समर्थकों का मुंह मिठाया कराया राम उदार वर्मा ने उपस्थित लोगों में मिष्ठान व फल वितरित किया, जन्म दिवस के इस कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी और राम उदार वर्मा की एक साथ उपस्थित किसी कार्यक्रम में पहली बार देखने को मिली है, माना जा रहा है विधायक विनय कुमार द्विवेदी और राम उदार वर्मा विगत पांच वर्षों में एक साथ कम ही नज़र आये हैं। राजनैतिक दृष्टिकोण से दोनों नेताओं एक साथ किसी कार्यक्रम में होना ब्लॉक प्रमुखी के चुनाव की तैयारी मानी जा रही है। जन्म दिवस मनाने के इस कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी ने प्रदेश अध्यक्ष को शुभकामनाएं व बधाई दी है।

जमीन पर जबरन कब्जा कर रहे दबंग

संवाददाता

बहराइच। जनपद में राजस्व अधिकारियों, कर्मचारियों व भू-माफियाओं का गठजोड़ बवाल-ए-जान बना हुआ है। ताबड़तोड़ ढंग से आम लोगों जमीन पर अवैध कब्जा जारी है। ऐसा ही एक मामला नानपारा कोतवाली के जुबलीगंज निवासी चार सगे भाइयों अब्दुल सत्तार, अब्दुल गफ्फार, अब्दुल रज्जाक, अब्दुल जब्बार पुत्रगण हाजी रोशन का है। जहां उनकी कृषि भूमि तहसील व कोतवाली नानपारा के मेहरबान नगर में स्थित है। जिस पर वह वर्षों से मदारता सीमांकन के बाद काबिज है। श्री सत्तार ने बताया कि विपक्षीगण मो0 अहमद पुत्र मो0 इब्राहीम निवासी चिकवा टोला, ब्रिजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पुत्र राधेश्याम श्रीवास्तव निवासी कायस्थ टोला ने कुछ अपराधिक व भूमाफिया लोगों की मदद से अनीस खां नि0 राजापुर मटेरा, रिफाकत अली पुत्र लियाकत अली निवासी बेलदारन टोला नानपारा के सहयोग से पुलिस प्रशासन व राजस्व कर्मचारी लेखपाल/तहसीलदार से मिलाकर हमारी की भूमि पर जबरन दबंगई के बल पर 06 फरवरी को गाटा संख्या 393 पर रातों रात दीवाल उठा लिया जब कि पीड़ित पक्ष के पास सिविल कोर्ट द्बारा पारित स्थगन आदेश है उसको भी दबंगों ने नहीं माना। पीड़ित पक्ष ने बताया कि हम लोगों ने डी0एम0, एस0डी0एम0, एस0पी0, सी0ओ0, प्रभारी निरीक्षक को आवेदन देकर अवगत कराया किन्तु कोई सुनवाई नहीं इसके तत्पश्चात पता चला कि मो0 अहमद व अन्य लोगों ने पुलिस व राजस्व प्रशासन से आर्थिक रूप से साठगांठ कर रखा है। पुलिसिया साठगांठ के वजह से जमीन पर जबरन कब्जा करने वालों के हौसले बुलंद हैं। श्री सत्तार ने बताया कि हमलोग प्रशासन की उपेक्षा से अत्यंत क्षुब्ध है एवं मानसिक रूप से पीड़ित हैं, यदि हमारे साथ न्याय नही किया जाता है तो हम लोग विवश होकर आत्मदाह करने को मजबूर होंगे। पीड़ितों ने मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तहरीर देकर रहा न्याय की गुहार लगाई गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी बहराइच के सीयूजी नम्बर पर सम्पर्क किये जाने पर डीएम से तो नहीं बात हो सकी लेकिन उनके पीआरओ से बात हुई। पीआरओ ने मामले की गंभीरता से समझते हुए नानपारा एसडीएम को पूरे प्रकरण से अवगत कराया, जिसके बाद एसडीएम ने पूरे प्रकरण की डिटेल मांगी और मामला दिखवा लेने की बात कही लेकिन डिटेल भेजने के बाद जमीन पर धड़ल्ले से काम जारी है। दूसरे दिन एसडीएम से फिर से मामले की जानकारी जाननी चाही गई तो उन्होंने मीटिंग में होने की बात कहते हुए फिर मामले को दिखवा लेने का आश्वासन दे दिया। गौरतलब हो कि इसी तरह की प्रशासनिक लापरवाही से भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं और जमीन पर निर्माण कार्य जारी है।

व्यय प्रेक्षक ने किया सीमावर्ती क्षेत्र रूपईडीहा का भ्रमण

संवाददाता

बहराइच । विधानसभा सामान्य निर्वाच-2022 स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बलहा, नानपारा व मटेरा के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्रीमती पनवीर सैनी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नानपारा के भ्रमण के दौरान भारत नेपाल सीमा पर स्थित रूपईडीहा का निरीक्षण कर आदर्श आचार संहिता तथा व्यय अनुवीक्षण पर प्रभावी अंकुश के लिए संचालित गतिविधियों, चेक पोस्टों व बैरियर स्थलों को देखा तथा व्यय अनुवीक्षण के लिए गठित एच.एस.बी. व एस.एस.टी. टीम के सदस्यों से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। व्यय प्रेक्षक श्रीमती सैनी ने थानाध्यक्ष रूपईडीहा प्रमोद कुमार त्रिपाठी, एसएसबी के सहायक कमाण्डेन्ट सौरभ रंजन व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर विधानसभा सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। इस अवसर पर पर सहायक अभियन्ता सतीश चन्द्र राघवेंद्रम उपस्थित रहे।

लाहौर ने क्वेटा को हराया, कराची की छठी हार

लाहौर। शाहीन शाह अफरीदी के दिये दो शुरूआती झटकों और फखर जमां की शानदार बल्लेबाजी के दम पर लाहौर कलंदर ने पाकिस्तान सुपर लीग के मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स को आठ विकेट

से हरा दिया। इससे पहले कराची किंग्स को पेशावर जाल्मी ने 55 रन से हराया जो उसकी लगातार छठी हार थी।

बायें हाथ के बल्लेबाज फखर ने 42 गेंद में 53 रन बनाये जो उनका पांचवां अर्धशतक था। इससे पहले कराची के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था। लाहौर की टीम ने 17.4 ओवर में दो विकेट पर 143 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई क्वेटा की टीम सात विकेट पर 141 रन ही बना सकी। जेसन रॉय और जेम्स विंस खाता खोले बिना ही अफरीदी का शिकार हो गए। शुरूआती झटकों से क्वेटा की टीम उबर नहीं सकी।

फखर के अब टूर्नामेंट में 469 रन हो गए हैं। कामरान गुलाम ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 55 रन बनाये और दूसरे विकेट के लिये 77 रन की साझेदारी की।

सात मैचों में पांचवीं जीत के बाद लाहौर दस अंक लेकर तालिका में मुल्तान सुल्तांस के बाद दूसरे स्थान पर है। क्वेटा के छह अंक हैं।

दूसरे मैच में बाबर आजम की कप्तानी वाली कराची टीम का खराब फॉर्म जारी रहा। पेशावर ने खिलाफ वह छह विकेट पर 138 रन ही बना सकी जबकि पहले बल्लेबाजी करते हुए पेशावर ने छह विकेट पर 193 रन बनाये थे। हजरतुल्लाह जजाइ ने 42 गेंद में 52 और 20 वर्ष के मोहम्मद हारिस ने 27 गेंद में 49 रन बनाये।

दूसरे वनडे में बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार के साथ उतरेगी भारतीय महिला टीम

क्रींसटाउन, । पहले मैच में शर्मनाक हार के बाद उजागर हुई कमजोरियों को दूर करके भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को यहां दूसरे एक दिवसीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी।

शनिवार को पहले वनडे में भारत ने किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। न्यूजीलैंड ने 275 रन का पहाड़ खड़ा कर डाला लेकिन जवाब में कप्तान मिताली राज को छोड़कर कोई बल्लेबाज नहीं चला। भारतीय टीम 213 रन पर आउट हो गई और 62 रन से मैच हार गई।

मिताली ने 59 और यस्तिका भाटिया ने 41 रन बनाये। उपकप्तान हरमनप्रीत कौर का खराब फॉर्म जारी रहा जो 22 गेंद में 10 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिये जेस केर ने 35 रन देकर चार विकेट लिये।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की कमी टीम को खली जो

पृथकवास की अवधि बढाये जाने के कारण पहला मैच नहीं खेल सकी। रेणुका सिंह और मेघना सिंह भी पहले मैच से बाहर रही। मंधाना और मेघना दूसरा मैच भी नहीं खेल सकेंगी जबकि रेणुका पृथकवास से बाहर है।

पहले वनडे में एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 105 रन था जो छह विकेट पर 165 रन हो गया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

मिताली और हरमनप्रीत दोनों को 33वें ओवर में जेस केर ने आउट किया। इसके बाद से भारत की हार दीवार पर लिखी इबारत की तरह साफ हो गई थी।

इससे पहले भारतीय गेंदबाज भी कोई कमाल नहीं कर सके और न्यूजीलैंड ने 275 रन बना डाले।सूजी बेट्स को 13 के स्कोर पर राजेश्वरी गायकवाड़ ने प्वाइंट में जीवनदान दिया और बेट्स ने बाद में शतक बना डाला।

पहले मैच में हरमनप्रीत को छोड़कर भारत की सभी गेंदबाजों दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, झूलन गोस्वामी और गायकवाड़ ने विकेट लिये।

पचास ओवरों का विश्व कप अब तीन सप्ताह से भी कम समय बाद खेला जायेगा। ऐसे में बल्लेबाजी भारत की चिंता का सबब है। कप्तान मिताली ने कहा ,'' हमें 270 रन बनाने चाहिये थे जो अब महिला क्रिकेट में बन रहे हैं।''

उन्होंने कहा ,'' गेंदबाजों को भी हालात के अनुकूल ढलना होगा। यह अच्छी बात है कि विश्व कप से पहले हम यहां खेल रहे हैं। हम पहली पारी के दूसरे हाफ में वापसी कर सकते थे लेकिन तेज हवाओं के अनुरूप गेंदबाज खुद को ढाल नहीं सके।'

टीमें:

भारत : मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, सिमरन दिल बहादुर।

न्यूजीलैंड : सोफी डेवाइन (कप्तान), एमी सैटर्थवेट, सूजी बेट्स, लौरेन डाउन, मैडी ग्रीन, ब्रूक हालीडे, हेली जेनसेन, फ्रान जोनास, जेस केर, मेली केर, फ्रेंकी मैके, रोसमेरी मायर, केटी मार्टिन, हन्ना रोव, ली ताहुहू।

कोंटावेट ने सेंट पीटर्सबर्ग लेडीज खिताब जीता

सेंट पीटसबर्ग। एनेट कोंटावेट ने मारिया सक्कारी को 5.7, 7.6, 7.5 से हराकर सेंट पीटर्सबर्ग लेडीज ओपन टेनिस खिताब जीत लिया जो उनका लगातार चौथा इंडोर खिताब है। दूसरी वरीयता प्राप्त कोंटावेट ने तीन घंटे तक चले मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त सक्कारी को हराया। एस्तोनिया की कोंटानेट ने पिछले सत्र के आखिर में ओस्त्राचलवा, मॉस्को और क्लज नापोका में खिताब जीते थे।

शीर्ष वरीयता प्राप्त रूड ने अर्जेंटीना ओपन खिताब जीता

ब्यूनस आयर्स। शीर्ष वरीयता प्राप्त नॉर्वे के कैस्पर रूड ने स्थानीय खिलाड़ी डिएगो श्वार्त्जमैन को 5.7, 6.2, 6.3 से हराकर दूसरी बार अर्जेंटीना ओपन टेनिस खिताब जीत लिया। दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी रूड ने कहा ,'' दोबारा यह ट्रॉफी लेकर बहुत अच्छा लग रहा है।'' करीब पांच हजार दर्शक श्वार्त्जमैन के समर्थन के लिये जुटे थे जिन्होंने पिछली बार यहां खिताब जीता था। रूड ने इससे पहले स्पेन के राबर्टो कारबालेस बाएना को हराया था जबकि श्वार्त्जमैन ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को मात दी थी।

सिटसिपास को हराकर आगर एलियास्सिमे ने पहला खिताब जीता

रोटरडम। कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे ने शीर्ष वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास को 6.4, 6.2 से हराकर रोटरडम ओपन खिताब जीत लिया है। इससे पहले वह 2019 से अब तक आठ फाइनल हार चुके हैं। यूनान के सिटसिपास आठवां खिताब जीतने से चूक गए जिन्होंने मैच में कई गलतियां की। यह सिटसिपास के खिलाफ आठ मैचों में फेलिक्स की तीसरी जीत थी।

ब्रूक्सबी को हराकर ओपेलका ने डलास ओपन जीता

डलास। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी रीली ओपेलका ने हमवतन जेनसन ब्रूक्सबी को सीधे सेटों में हराकर पहला डलास ओपन खिताब जीत लिया जो उनके कैरियर का तीसरा एटीपी टूर खिताब है। दूसरी वरीयता प्राप्त ओपेलका ने सभी 46 सर्विस गेम जीते। उन्होंने 7.6, 7.6 से जीत दर्ज की। इससे पहले वह 2019 में न्यूयार्क और 2020 में डेलरे बीच में खिताब जीत चुके हैं। ब्रूक्सबी चोट के कारण 2020 में टेनिस से दूर रहे थे लेकिन पिछले साल चैलेंजर स्तर पर तीन खिताब जीते। वह विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर हैं और उनकी नजरें शीर्ष 50 में शामिल होने पर है।

पंजाब किंग्स के लिए खेलने को लेकर उत्साहित हैं लियाम लिविंगस्टोन

बेंगलुरु। इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 मे पंजाब किंग्स के लिए खेलने को लेकर उत्साहित है। लिविंगस्टोन को रविवार को आईपीएल 2022 मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने चुना।

पंजाब किंग्स द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में लिविंगस्टोन ने कहा, मैं आईपीएल 2022 में पंजाब किंग्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हूं। नीलामी में मुझे चुनने वाले सभी कर्मचारियों के लिए धन्यवाद। मैं भारत आने और टूर्नामेंट शुरू करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों के सेट 2 में पहले खिलाड़ी थे और उन्हें खरीदने के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच रोचक जंग हुई। अंत में पंजाब ने उन्हें 11.50 करोड़ रुपए मे खरीदा। इस बीच, तेज गेंदबाज संदीप शर्मा चार साल बाद पंजाब के साथ वापस आने के लिए उत्साहित थे। संदीप ने कहा, ÷मैं चार साल बाद पंजाब में वापस आने के लिए उत्साहित हूं जहां मैंने अपना आईपीएल करियर शुरू किया था। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्साहित हूं।

आरसीबी में डु प्लेसिस के शामिल होने से बल्लेबाजी और मजबूत हुई : संजय बांगर

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के मुख्य कोच संजय बांगर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस के टीम में शामिल होने से बल्लेबाजी और मजबूत हो गई है।

आरसीबी ने नीलामी में भारतीय ऑलराउंडर हर्षल पटेल (10.75 करोड़ रुपये), श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा (10.75 करोड़ रुपये), ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (7.75 करोड़ रुपये), दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस (7 करोड़ रुपये) को खरीदा।

बांगर ने आरसीबी की विज्ञप्ति में कहा, हम एक संतुलित टीम बनाने के लिए नीलामी में अपनी दौड़ से काफी संतुष्ट हैं। हमारी योजना स्थिरता लाने की थी और साथ ही, टी 20 टूर्नामेंट में बदलती परिस्थितियों के कारण बदलाव भी करना चाहते थे।

डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बावजूद शीतकालीन ओलंपिक में खेलेगी रूसी स्केटर वालिएवा

बीजिंग। शीतकालीन ओलंपिक से पहले डोप टेस्ट में नाकाम रहने के बावजूद रूस की टीनएजर कामिला वालिएवा खेलों में महिलाओं की फिगर स्केटिंग स्पर्धा में भाग ले सकेगी।

खेल पंचाट ने सोमवार को जारी व्यवस्था में कहा कि 15 वर्ष की वालिएवा को पूरी जांच के बिना अस्थायी तौर पर निलंबित करने की जरूरत नहीं है।

पंचाट ने उसके पक्ष में फैसला इसलिये दिया क्योंकि वह अवयस्क है या ' सुरक्षित व्यक्ति' है और उसके लिये नियम वयस्क खिलाड़ियों से अलग होंगे।

सीएएस के महानिदेशक मथियू रीब ने कहा ,'' पैनल का मानना है कि इस खिलाड़ी को ओलंपिक में भाग लेने से रोकने पर उसे

अपूरणीय क्षति होगी।''

वालिएवा और रूस के बाकी स्केटरों का लक्ष्य अब महिलाओं की फिगर स्केटिंग स्पर्धा में क्लीन स्वीप करने का होगा। प्रतियोगिता मंगलवार से बृहस्पतिवार तक चलेगी।

वालिएवा को 25 दिसबर को प्रतिबंधित दवा के सेवन का दोषी पाया गया था लेकिन स्वीडन की लैब का यह जांच नतीजा एक सप्ताह पहले ही आया है। इससे पहले वह रूसी ओलंपिक समिति के लिये स्वर्ण जीत चुकी थी। रिपोर्ट आने में छह सप्ताह के विलंब का कारण स्पष्ट नहीं है लेकिन रूसी अधिकारियों का कहना है कि जनवरी में ओमीक्रोन वैरिएंट के प्रसार के कारण लैब में स्टाफ कम था।

रूसी डोपिंग निरोधक एजेंसी ने उस पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया था जिसे एक दिन बाद हटा दिया गया। आईओसी और अन्य ने अपील की जिससे मामले की त्वरित सुनवाई हुई। वालिएवा ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अपना पक्ष रखा।

इस फैसले के बाद यह तो तय हो गया कि वह आगे खेल सकेगी लेकिन जो स्वर्ण पदक उसने जीता है, उस पर फैसला नहीं आया है।उस पर फैसला विस्तृत जांच के बाद आयेगा।

एक सप्ताह के भीतर सिर की चोट से उबर जायेंगे स्मिथ, पाकिस्तान दौरे तक होंगे फिट

सिडनी । आस्ट्रेलिया के सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ एक सप्ताह के भीतर सिर की चोट (कनकशन) से उबर जायेंगे और अगले महीने पाकिस्तान दौरे के लिये उपलब्ध होंगे।

अपने कैरियर में कई बार कनकशन का शिकार हुए स्मिथ को श्रीलंका के खिलाफ रविवार को टी20 मैच के दौरान सीमा रेखा के पास एक छक्का रोकने का प्रयास करते हुए सिर के बल गिरने से चोट लगी थी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा कि उनका उपचार पूरा हो गया है और वह एक सप्ताह के भीतर चोट से उबर जायेंगे।

सीए ने कहा ,'' उन्हें अगले कुछ दिन निचले स्तर के प्रोटोकॉल से गुजरना होगा और वह छह सात दिन में पूरे ठीक हो जायेंगे।''

स्मिथ श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा टी20 श्रृंखला के बाकी तीन मैचों से बाहर हो गए हैं। वह हालांकि चार मार्च से शुरू हो रहे पाकिस्तान दौरे तक ठीक हो जायेंगे।

इससे एक दिन पहले आस्ट्रेलिया के विल पुकोवस्की साउथ आस्ट्रेलिया के खिलाफ विक्टोरिया के शेफील्ड शील्ड मैच की तैयारी के दौरान कनकशन का शिकार हो गए थे।

शीतकालीन ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए परिवारों से दूर रह रहे हैं चीनी कर्मचारी

बीजिंग। चीन में शीतकालीन ओलंपिक के आयोजन को सफल बनाने के लिए कर्मचारी अपने परिवारों से दूर रह रहे हैं और 50,000 से भी ज्यादा कर्मी ग्रेट वॉल जैसी बाड़बंदी के अंदर हैं ताकि कोरोना वायरस संक्रमण न फैल सके।

ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों का ख्याल रखने के लिए उनके चीनी मेजबान अपने पारिवारों से दूर रह रहे हैं। चीन में ओलंपिक खेलों

की शुरुआत ऐसे वक्त में हुई है जब देश चंद्र नववर्ष की छुट्टियां मना रहा है।

चीन के प्राधिकारियों ने संक्रमण रोधी कई कदम उठाते हुए ऊंची दीवारें बनायी हैं, पुलिस गश्त करती है, ढेरों सुरक्षा कैमरा लगाए गए हैं, अनिवार्य दैनिक जांच और कीटनाशकों का अनगिनत बार छिड़काव जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। शीतकालीन ओलंपिक खेल स्थल को चीन के बाकी हिस्से से बिल्कुल अलग कर दिया गया है।

कैथी चेन भी ओलंपिक कर्मचारियों में से एक हैं। उन्होंने नववर्ष पर अपने पति इसाक और दो बेटियों छह साल की कियारा और 18 महीने की सिया के साथ वीडियो कॉल पर बात की। अगले रविवार को समापन समारोह के साथ ओलंपिक खेल खत्म हो जाएंगे। इसके बाद वह एक या दो सप्ताह के लिए बीजिंग में पृथक वास में रहेंगी और फिर दो महीने बाद उन्हें अपने परिवार से मिलने का मौका मिलेगा।

चेन ने कहा, ''मैं एक और दिन इंतजार नहीं कर सकती। मैं अपनी छोटी बच्ची को सबसे ज्यादा याद करती हूं।''

राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ओलंपिक खेलों के शुरू होने से एक महीने पहले चार जनवरी से सुरक्षा कवच यानी ''बबल'' बनाने की घोषणा कर दी थी, जिसके चलते कर्मचारियों को अपने परिवारों से दूर सुरक्षा घेरे के अंदर रहना पड़ रहा है।

आईएसएल : ओडिशा से हिसाब चुकता करके चौथे स्थान पर पहुची मुंबई

गोवा । मुंबई सिटी एफसी रविवार रात फतोर्डा स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में चैम्पियनों की तरफ खेली और इगोर अंगुलो और बिपिन सिंह की डबल स्ट्राइक के दमपर उसने ओडिशा एफसी को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही मौजूदा चैम्पियन मुंबई हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 की अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

यह मुंबई सिटी की इस सीजन में सातवीं जीत रही और उसने तालिका में दो स्थानों की छलांग लगा ली है। कोच डेस बकिंगहम की टीम 15 मैचों में 25 अंक जुटा चुकी है। वहीं, अपनी सातवीं हार के बावजूद ओडिशा एफसी अंक तालिका में सातवें स्थान पर बनी हुई है। कोच किनो गार्सिया की टीम 16 मैचों में छह जीत और तीन ड्रा से 21 अंक जुटा चुकी है।

मैच का पहला गोल 41वें मिनट में आया, जब स्पेनिश स्ट्राइकर इगोर अंगुलो ने मुंबई सिटी एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। दाहिने फ्लैंक से राइट बैक राहुल भेखे के क्रॉस पर इगोर ने जम्प करके हैडर से गेंद को गोलपोस्ट के बाएं किनारे की दिशा दे दी जबकि ओडिशा के गोलकीपर अर्शदीप सिंह अपने से दूर जाती गेंद को गोलजाल में उलझते हुए देखने के सिवाय कुछ नहीं कर सके। यह इगोर का इस सीजन में नौवां गोल है।

47वें मिनट में विंगर बिपिन सिंह ने गोल करके मुंबई सिटी की बढ़त को 2-0 कर दिया। मोरोक्कन डिफेंसिव अहमद जाहू ने मैदान के अटैकिंग थर्ड में लूज बॉल झपटने के बाद बिपिन को डी-बॉक्स के अंदर बायीं तरफ थ्रू-पास दिया। बिपिन ने तेजी से आगे दौड़ते हुए मुश्किल कोण से राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को गोलजाल में उलझा दिया जबकि तेजी आते इस शॉट को रोकने में गोलकीपर अर्शदीप नाकाम रहे।

70वें मिनट में इगोर अंगुलो ने अपना दूसरा और सीजन का दसवां गोल करके मुंबई की बढ़त को और मजबूती देते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मिडफील्ड से कैसिओ गैब्रियल ने बाएं फ्लैंक पर बिपिन सिंह के लिए क्रॉस डाला और इस विंगर ने गेंद नियंत्रित करने के बाद बॉक्स के अंदर थ्र-पास इगोर की ओर डाला। स्पेनिश स्ट्राइकर ने अपने लेफ्ट फुटर से गेंद को सेकेंड पोस्ट की दिशा दिखाकर गोलकीपर अर्शदीप को छका दिया।

73वें मिनट में बिपिन सिंह ने अपना दूसरा गोल करके मुंबई को 4-0 की लगभग अजेय बढ़त पर पहुंचा दिया। ब्राजीली अटैकिंग मिडफील्डर कैसिओ गैब्रियल तेज गति से हमला करते हुए गेंद लेकर डी-बॉक्स में घुस गए और फिर डिफेंडरों को छकाने के बाद उन्होंने गेंद को माइनस कर दिया, जो कि डिफेंडर से लगाने के बाद पीछे से आ रहे बिपिन के पैरों पर आई, जिसे उन्होंने राइट फुटर शॉट से गोलपोस्ट के अंदर डाल दिया। 90वें मिनट में जोनाथस क्रिस्टिआन ने ओडिसा एफसी के लिए सांत्वना गोल करके स्कोर 1-4 कर दिया। ब्राजीली स्ट्राइकर ने 18 गज के डी-बॉक्स के बाहर से राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को गोलजाल में उलझा दिया जबकि मुंबई के गोलकीपर मोहम्मद नवाज काफी कोशिश के बाद गेंद को अपने हाथों के ऊपर गोलजाल में जाने से नहीं रोक सके। यह उनका इस सीजन में सातवां गोल है।

वॉलीबॉल लीग: हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने रचा इतिहास, चेन्नई ब्लिट्ज को 5-0 से हराया

श्रेयस मनोरम

हैदराबाद। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने इतिहास रचते हुए रविवार रात यहां जीएमसी गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए पावर्ड बाय ए 23 रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के पहले सीजन के 10वें मैच में चेन्नई ब्लिट्ज को 5-0 से मात देकर लीग में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। हैदराबाद के एसवी गुरुप्रशांत को प्लेयर ऑफ द मैच के लिए चुना गया।

हैदराबाद ने सभी पांच सेट जीतते हुए चेन्नई को 15-14, 15-11, 15-14, 15-7, 15-13 से हराया और मैच में सुपर प्वाइंट लेते हुए तीन प्वाइंट हासिल कर लिए। लीग में सभी 5 सेट जीतने वाली टीम को दो प्वाइंट के अलावा एक बोनस प्वाइंट भी मिलता है। हैदराबाद इस सीजन में पहली टीम है, जिसने मैच से बोनस प्वाइंट हासिल किया है। हैदराबाद की चार मैचों में यह दूसरी जीत है और अब टीम के अब 5 प्वाइंट हो गए हैं। वहीं, चेन्नई ब्लिट्ज को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है।

चेन्नई ब्लिट्ज ने टॉस जीतकर रिसीव करने का फैसला किया और पांच प्वाइंट की लीड ले ली। इसके बाद हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने वापसी की और फिर लगातार 7 प्वाइंट लेकर

15-14 से पहला सेट ले उड़ी। अगले सेट में भी तीन प्वाइंट से पीछे रहने वाली हैदराबाद ने जॉर्ज एंटनी के दम पर क्रेड सुपर प्वाइंट को भुनाकर 11-11 से चेन्नई की बराबरी कर ली। ब्लैक हॉक्स ने सुपर सेट के दम पर 15-11 से सेट को जीतकर मुकाबले में 2-0 की बेहतरीन लीड बना ली।

तीसरे सेट में यही कहानी रही। ब्रेक तक तीन प्वाइंट से पीछे रहने के बाद हैदराबाद ने स्कोर को 10-10 से बराबरी पर ला दिया। चेन्नई ने हालांकि फिर से लीड कायम कर ली और हैदराबाद ने फिर से 14-14 से बराबरी कर ली। हैदराबाद ने यहां शानदार ब्लॉक करके प्वाइंट हासिल कर लिया और 15-14 से सेट को और मैच को 3-0 से जीत लिया।

हैदराबाद ने चौथे सेट में भी धमाकेदार शुरुआत की और 8-1 की बढ़त बना ली और फिर वो 12-7 से आगे हो गई। ब्लैक हॉक्स ने यहां से लगातार प्वाइंट लेते हुए 15-7 से सेट को जीतकर मुकाबले में 4-0 की शानदार लीड कायम कर ली। पांचवें और अंतिम सेट में भी दोनों टीमें एक समय 9-9 से बराबरी पर थी। दोनों आगे भी एक समय 12-12 से बराबरी पर थी। हैदराबाद ने यहां से 15-13 से सेट और मैच को जीतकर मुकाबले में 5-0 की एकतरफा जीत हासिल कर ली और बोनस प्वाइंट भी अपने नाम कर लिया।